UGC NET - LAW

MOCK TEST PAPER

- **PAPER - I** *This paper contains 50 objective type questions. Each question carries 2 marks. Attempt all the questions.*
- **PAPER - II** *This paper contains 50 objective type questions. Each question carries 2 marks. Attempt all the questions.*

PAPER - III *This paper contains 75 objective type questions. Each question carries 2 marks. Attempt all the questions. (According to the NEW PATTERN)*

- *Pattern of questions : MCQs*
- *Total marks : 350*
- *Duration of test : Paper I & II - 2.5 Hours*
  Paper III - 2.5 Hours

VPM CLASSES

For IIT-JAM, JNU, GATE, NET, NIMCET and Other Entrance Exams

1-C-8, Sheela Chowdhary Road, Talwandi, Kota (Raj.) Tel No. 0744-2429714

Web Site www.vpmclasses.com E-mail-vpmclasses@yahoo.com

Paper I

1. निम्नलिखित में से कौन–सा शोध का गुण नहीं है ?

(A) शोध व्यवस्थित होती है।

(B) शोध प्रक्रिया नहीं है।

(C) शोध समस्या परक होती है।

(D) शोध निष्क्रिय नहीं होती ळें

2. शिक्षण का मुख्य उद्देश्य है :

(A) केवल तर्क शक्ति का विकास

(B) केवल चिन्तन का विकास

(C) दोनों (A) और (B)

(D) सूचना देना

3. निम्न में से कौन–सी पद्धति विज्ञान शिक्षण के लिए अधिक उपयोगी नहीं है ?

(A) समस्या पद्धति

(B) आगमन पद्धति

(C) प्रयोगशाला पद्धति

(D) प्रश्नोत्तर पद्धति

4. निम्नलिखित में से कौन–सा कथन सही है ?

(A) आविष्कार अनुसन्धान होते है।

(B) अनुसन्धान आविष्कार मुखी होते है।

(C) आविष्कार और अनुसन्धान सम्बन्धित होते है।

(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

5. शिक्षण की गुणवत्ता प्रदर्शित होती है :

(A) कक्षा में छात्रों की उपस्थिति से

(B) छात्रों की उत्तीर्ण प्रतिशत से

(C) छात्रों के द्वारा पूछे गए प्रश्नों की गुणवत्ता से

(D) कक्षा में शान्ति बनाए रखने की अवधि से

6. विचार विमर्श विधी का उपयोग किया जाता है जब–

(A) प्रकरण कठिन हो

(B) प्रकरण सामान्य हो

(C) प्रकरण सरल हो

(D) उपर्युक्त सभी

7. निम्नलिखित में से कौन–सा कथन सही है ?

(A) अनुसन्धान में उद्देश्यों को प्रश्न के रूप में लिपिबद्ध किया जा सकता है।

(B) अनुसन्धान में उद्देश्यों को कथन के रूप में लिपिबद्ध किया जा सकता है।

(C) उद्देश्यों को थीसिस के प्रथम अध्याय में ही वर्णित करना होता है।

(D) उपर्युक्त सभी

8. वर्तमान वार्षिक परीक्षा प्रणाली :

(A) रंटन विद्या को प्रोत्साहित करती है।

(B) अच्छे पढ़ने की आदत को प्रोत्साहित नहीं करती है।

(C) छात्रों को कक्षा में नियमित आने के लिए प्रोत्साहित नही करती।

(D) उपर्युक्त सभी

9. प्रयोगात्मक अनुसंधानों में स्वतन्त्र विचलनों का दूसरा नाम है :

(A) ट्रीटमेन्ट विचलन

(B) प्रयोगात्मक विचलन

(C) मैनीपुलेटेड वैरिएबिल

(D) उपरोक्त सभी

10. एक महाविद्यालय अपने शोधार्थियों को सामाजिक विज्ञानों के लिए सांख्यिकीय पैकेज की प्रयोग विधि में प्रशिक्षित करना चाहता है। इसके लिए उसे आयोजित करना चाहिए :

(A) सम्मेलन

(B) संगोष्ठी

(C) कार्यशाला

(D) लेक्चर

11. इस उद्धरण का शीर्षक है :

(A) अमरीका न्यू डील नीति

(B) रोजगार नीति

(C) सुरक्षा नीति

(D) कार्यक्रम नीति

12. अमरीका एक देश था :

(A) समाजवादी

(B) पूंजीवादी

(C) साम्यवादी

(D) सुरक्षावादी

13. 1935 में रूजवेल्ट द्वारा पारित अधिनियम था :

(A) सामाजिक सुरक्षा

(B) रोजगार

(C) श्रम नीति

(D) शिक्षा

14. वृद्धा पेन्शन के लिए योग्य आयु क्या थी ?

(A) 60 वर्ष

(B) 65 वर्ष से अधिक

(C) 65 वर्ष से कम

(D) 60 वर्ष से कम

VPM CLASSES

15. सामाजिक सुरक्षा अधिनियम का मुख्य उद्देश्य था :

(A) वृद्ध व्यक्तियों को सामाजिक सुरक्षा

(B) विकलांगों को सामाजिक सुरक्षा

(C) बेरोजगारों को सामाजिक सुरक्षा

(D) उपर्युक्त सभी को सामाजिक सुरक्षा

16. निम्नलिखित में से कौन–सा कथन परस्पर विरोधी है ?

1. अधिकतर कवि अहंकारी नहीं होते है।

2. अधिकतर कवि विनम्र होते है।

3. कुछ कवि अंहकारी होते है।

4. कुछ कवि निर–अहंकारी नहीं होते है।

निम्नलिखित कूट से सही उत्तर चुनिए :

कूट

(A) 1 और 4

(B) 2 और 3

(C) 1 और 3

(D) 3 और 4

17. किसी खास कोड MEADOW को BFNVNC लिखते है। इस कोड में CORNER कैसे लिखा जाएगा।

(A) DPSQDM

(B) SPDMDQ

(C) SPDQDM

(D) DPSMDQ

18. निम्नलिखित में से कौन–से तर्क करने के तरीके सही नहीं है ?

1. यदि घोड़े गाय हैं और यदि गायें भेड़े हैं, तो सभी घोड़ों को भेड़े होना चाहिए।

2. यदि टॉप के अभिनेता प्रसिद्ध हैं और शाहरूख खान प्रसिद्ध है, जो शाहरूख खान टॉप का अभिनेता है।

3. लता राजू की दूसरी बहन है, इसलिए राजू लता का दूसरा भाई है।

4. A B के बराबर नहीं है, किन्तु B, C के बराबर है, इसलिए A, C के बराबर हुआ।

कूट :

(A) 1, 2 और 3

(B) 1, 3 और 4

(C) 2, 3 और 4

(D) 1, 2 और 4

19. कौन–सी सैटेलाइट चैलन निम्नलिखित विज्ञान पंक्ति (Adline) का प्रयोग करती है। (Knowing is very thing) ?

(A) BBC वर्ल्ड

(B) स्टार

(C) सोनी

(D) जी

20. यदि A प्रयोग होता 5 के लिए B, 6 के लिए C, 7 के लिए D, 8 के लिए और इसी प्रकार आगे तो निम्नलिखित संख्याओं का क्या अर्थ होगा :

22, 25, 8, 22 और 5

(A) PRIYA

(B) NEEMA

(C) MEENA

(D) RUDRA

21. भारत में लम्बे समय तक प्रसारित होने वाला सबसे पुराना टी. वी. सीरियल (Oldest soap opera telecasted in India) निम्नलिखित में से कौन–सा है ?

(A) कहानी घर–घर की

(B) बुनियाद

(C) हम लोग

(D) सास भी कभी बहू थी

22. संख्याओं की श्रृंखला : $\frac{2}{3},\frac{4}{7},X,\frac{11}{21},\frac{16}{31}$ मे छूटी हुई संख्या X क्या है ?

(A) $\frac{8}{13}$

(B) $\frac{6}{13}$

(C) $\frac{5}{13}$

(D) $\frac{7}{13}$

23. सूची-I (विशिष्ट महिलाएं) को सूची-II (कार्यक्षेत्र) से सुमेलित कीजिए और नीचे दिए कूट से सही उत्तर चुनिए :

	सूची-I (विशिष्ट महिलाएं)		सूची-II (कार्यक्षेत्र)
(a)	झुंपा लाहिरी	1.	पत्रकार
(b)	बरखा दत्त	2.	उपन्यासकार
(c)	मीरा नायर	3.	फिल्म कलाकर
(d)	कोकणा सेन शर्मा	4.	फिल्म निर्देशक

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	4	3	2	1
(B)	2	1	4	3
(C)	4	1	3	2
(D)	2	3	4	1

24. निम्नलिखित में से कौन–से कथन एक ही बात करते है ?

1. 'मै चतुर हूं' (राम द्वारा कहा गया)

2. 'मै चतुर हूं' (राजू द्वारा कहा गया)

3. 'मेरा बेटा चतुर है' (राम के पिता द्वारा कहा गया)

4. 'मेरा भाई चतुर है' (राम के बहिन द्वारा कहा गया)

5. 'मेरा भाई चतुर है' (राम की इकलौती बहिन द्वारा कहा गया)

6. 'मेरा इकलौता शत्रु चतुर है' (राम के इकलौते शत्रु द्वारा कहा गया)

निम्नलिखित कूट से सही उत्तर चुनिए :

(A) 1, 3, 4, 5

(B) 1 और 2

(C) 4 और 5

(D) 1 और 6

25. एक थैली में एक रूपए, 50 पैसे और 25 पैसे के सिक्को की संख्या बराबर है। यदि थैली में कुल 35 रूपए है, तो प्रत्येक प्रकार के सिक्कों की संख्या क्या है ?

(A) 15

(B) 18

(C) 20

(D) 25

26. टेलीविजन पर 'सर्वप्रथम भारत में बनाया गया' बच्चों का चैनल कौन–सा है ?

(A) कार्टून नेटवर्क

(B) वाल्ट डिजनी

(C) यूनाइटेड होम इण्टरटेनमेन्ट का हंगामा टीवी

(D) निक जूनियर

27. निम्नलिखित में से कौन–से कथन हमेशा सही होते है ?

1. एक लकड़ी की मेज, मेज है।
2. अब बारिश हो रही है या बारिश नहीं हो रही है।
3. सूर्य प्रतिदिन पूर्व में निकलता है।
4. मुर्गी का बच्चा मुर्गी के अण्डे से निकलता है।

कूट :

(A) 1 और 3

(B) 1, 3 और 4

(C) 1 और 2

(D) 2 और 3

28. निम्नलिखित में से कौन–सा/से कथन पूर्ण रूप से असम्भव है/हैं ?

1. कोई स्त्री अपने ही पोते को जन्म देतें हुए।
2. कोई व्यक्ति अपने ही अन्तिम संस्कार में शामिल होते हुए।
3. किसी दिन सूर्य पूर्व में नहीं निकलते हुए।
4. कारें बिना पेट्रोल के चलती हुई।

कूट :

(A) 1 और 2

(B) 3 और 4

(C) 2

(D) 2 और 4

29. पहले सेट के अक्षरों में कोई सम्बन्ध है। इस सम्बन्ध के आधार पर दूसरे सेट के लिए सही विकल्प क्या है ?

BF : GK : LP : ?

(A) JK

(B) QU

(C) VW

(D) RQ

30. निम्नलिखित में से कौन–सा जोड़ा बेमेल है ?

(A) आज तक–24 घण्टे का समाचार चैनल

(B) एफ. एम. स्टेशन–रेडियों

(C) राष्ट्रीय भूगोल चैनल–टेलीविजन

(D) वीर संघवी–इण्डिया टुडे

निर्देश– (प्रश्न 31 से 33 तक) इन प्रश्नों के उत्तर देने के लिए दिए गए ग्राफ का ध्यानपूर्वक अध्ययन कीजिए :

विगम वर्षो में दो राज्य की जनसंख्या (मिलियन में)

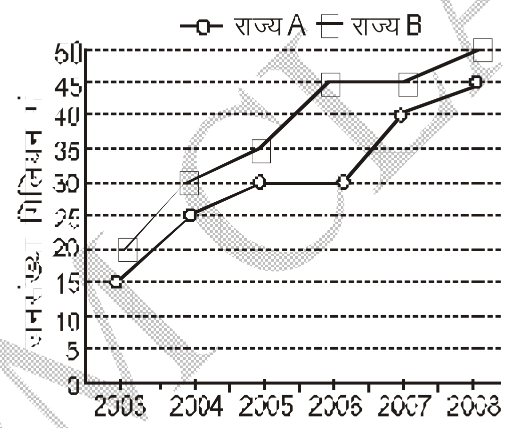

31. निम्नलिखित में से किस वर्ष में पिछले वर्ष की तुलना मे, राज्य B के लिए जनसंख्या मे प्रतिशत वृद्धि सर्वाधिक थी?

(A) 2008

(B) 2007

(C) 2005

(D) 2004

32. सभी वर्षों के लिए मिलकर राज्य B की औसत जनसंख्या (मिलियन में) कितनी थी ?

(A) 38.5

(B) 28.5

(C) 30.8

(D) 37.5

33. पिछले वर्ष की तुलना में 2007 में राज्य B की जनसंख्या में औसत जनसंख्या में कितने प्रतिशत वृद्धि हुई थी ?

(A) 25

(B) $33\frac{1}{3}$

(C) 33

(D) $25\frac{1}{2}$

34. निम्नलिखित में से कौन–सा कथन सही नहीं है ?

(A) कम्प्यूटर केवल डिजिटल संकेतों को प्रोसेस करने में सक्षम है।

(B) कम्प्यूटर संख्यात्मक व गुणात्मक दोनों प्रकार के आंकड़ों का विश्लेषण करने में सक्षम है।

(C) आंकड़ो के प्रोसेसिंग के लिए उपयुक्त सॉफ्टवेयर की आवश्यकता है।

(D) कम्प्यूटर डिजिटल तथा अनालॉग (Analog) दोनों प्रकार के संकेतों को प्रोसेस करने में सक्षम है।

35. निम्नलिखित में से कौन–सा कथन सहीं है ?

(A) वायरस कम्प्यूटर के द्वारा सूचना के प्रोसेसिंग की गति को सुधारता है।

(B) इन्टरनेट वायरस को फैलने नहीं देता।

(C) वायरस सॉफ्टवेयर का ही हिस्सा होता है।

(D) वायरस एक ऑपरेटिंग पद्धति है।

36. भारत में किसी राजनीतिक दल को राष्ट्रीय अथवा क्षेत्रीय दल के रूप में किसके द्वारा मान्यता प्रदान की जाती है?

(A) भारत के राष्ट्रपति

(B) भारत का निर्वाचन आयोग

(C) भारत के विधि आयोग के परामर्श से विधि मन्त्रालय

(D) राज्य विधानमण्डलों के परामर्श पर संघीय संसद

37. बेसिक शिक्षा या नई तालीम का दूसरा नाम है :

(A) अनिवार्य शिक्षा

(B) नई शिक्षा नीति

(C) वर्धा शिक्षा योजना

(D) सर्व शिक्षा अभियान

38. मरूस्थलीयकरण की प्रक्रिया मे सम्मिलित है :

(A) बालू का फैलाब

(B) मृदा में जैविक तत्वों का अभाव

(C) जलाभाव

(D) उक्त सभी

39. विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की स्थापना कब की गई है। ?

(A) वर्ष 1948 में

(B) वर्ष 1944 में

(C) वर्ष 1953 में

(D) वर्ष 1960 में

40. भारत में वनभूमियों को सर्वाधिक हानि किसके द्वारा पहुंचाई जाती है ?

(A) नदी घाटी परियोजना द्वारा

(B) उद्योगों द्वारा

(C) यातायात के साधनों के द्वारा

(D) कृषि द्वारा

41. आई.सी.टी. सम्बोधित करता है :

(A) इण्टरनेशनल कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी

(B) इन्टरा कोमन टरमीनोलॉजी

(C) इन्फोरमेशन एण्ड कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी

(D) इन्टर कनेक्टेड टरमिनल्स

42. सामान्य उद्देश्य के साफ्टवेयर के उदाहरण है:

(A) MS-Word

(B) MS-Excel

(C) फोटोशॉप

(D) सभी

43. निम्नलिखित सारणी में दो कक्षाओं A और B के विद्यार्थियों की संख्या और प्रत्येक कक्षा द्वारा अर्जित अंक दिए गए है:

	कक्षा A	कक्षा B
छात्रों की संख्या	20	80
अंकगणितीय औसत	10	20

दोनों कक्षाओं के अंकों का संयुक्त औसत है :

(A) 18

(B) 15

(C) 10

(D) 20

44. निम्नांकित में से कौन–सा संवैधानिक निकाय नहीं है :

(A) वित्त आयोग

(B) राजभाषा आयोग

(C) योजना आयोग

(D) निर्वाचन आयोग

45. निम्नलिखित में से सही कथन कौन–सा है ?

(A) कम्प्यूटरों का प्रयोग किसी विद्यार्थी के सीखने में आ रही कठिनाई का निदान करने के लिए किया जा सकता है।

(B) कम्प्यूटर की सहायता से मनोवैज्ञानिक परीक्षण किया जा सकता है बशर्ते सॉफ्टवेयर उपलब्ध हो।

(C) निर्देशों के सेट को प्रोग्राम कहा जाता है।

(D) उपर्युक्त सभी

46. जाड़े के समय में ग्लोबल वार्निंग सबसे अधिक कहां होती है ?

(A) भूमध्य रेखा

(B) ध्रुवों पर

(C) कर्क रेखा पर

(D) मकर रेखा पर

s47. विकासशील देशों में सरकार की भूमिका की वृद्धि के लिए कौन–सा/कौन–से कारक उत्तरदायी है/हैं

1. आर्थिक नियोजन

2. लोगों की बढ़ती हुई आकाक्षाएं

3. निजीकरण

4. कल्याणकारी राज्य की अवधारणा का उदय

नीचे दिए गए कूट से उपयुक्त उत्तर चुनिए :

कूट :

(A) 1 और 2

(B) 1, 2 और 3

(C) केवल 3

(D) केवल 4

48. भारत में प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए मुद्रा और वित्त पर प्रतिवेदन (Report on Currency and Finance) किसके द्वारा प्रकाशित किया जाता है।

(A) रिजर्व बैंक ऑफ इण्डिया

(B) वित्त मन्त्रालय

(C) योजना आयोग

(D) केन्द्रीय सांख्यिकीय संगठन

49. भारत में 'लोकतान्त्रिक विकेन्द्रीकरण' की विचारधारा का प्रचार किसके द्वारा किया गया ?

(A) ए. डी.गोरखाला कमेटी, 1951

(B) पॉल एच. एपलबी कमेटी, 1953

(C) बी. आर. मेहता, 1957

(D) अशोक मेहता कमेटी, 1978

50. 'मनुष्य–पर्यावरण अन्तर्क्रिया' के अध्ययन से सम्बन्धित मिस सेम्पल का यह कथन कि ''मनुष्य अपने पर्यावरण की ही एकमात्र उपज है।'' क्या है ?

(A) एक राय

(B) एक पूर्वाग्रह

(C) एक तथ्य

(D) व्यापक रूप से स्वीकार्य घटनाक्रम

Paper II

1. निम्नलिखित में से कौन सा राज्य का नीति–निर्देशक तत्व है?

(A) ग्राम पंचायतों का संगठन करना

(B) शिक्षा का अधिकार

(C) सम्पत्ति का अधिकार

(D) उच्चतम न्यायालय में याचिका का अधिकार

2. लोक सभा के विघटित हेने की व्यवस्था में अनुच्छेद 352 के अधीन आपात की उद्घोषणा का अनुमोदन अनिवार्य है?

(A) राज्य सभा द्वारा और उसके उपरान्त नई लोक सभा द्वारा अपनी पृथक बैठक से 30 दिनों के अंदर इसका अनुमोदन होना आवश्यक है।

(B) केवल राज्य सभा द्वारा

(C) लोक सभा द्वारा छः माह के पश्चात् अपने आगामी सत्र में

(D) नई लोक सभा द्वारा गठन के छ माह के भीतर

3. जिस कार्य को प्रत्यक्षतः नहीं किया जा सकता उसे परोक्षतः भी नहीं किया जा सकता, यह कथन सम्बंधित है?

(A) आनुषंगिक शक्ति के सिद्धांत से

(B) सार एवं तत्व के सिद्धांत से

(C) आभासी विधायन के सिद्धांत से

(D) विवक्षित शक्ति के सिद्धांत से

4. मौलिक अधिकार–

(A) अप्रतिबंधित अधिकार है

(B) निरपेक्ष अधिकार है

(C) प्रतिबंधित अधिकार है

(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

5. ''दोहरे खतरे के विरूद्ध अधिकार'' की गारण्टी निम्नलिखित के अन्तर्गत की जाती है?

(A) अनुच्छेद 21

(B) अनुच्छे 20 (2)

(C) अनुच्छेद 20 (1)

(D) अनुच्छेद 22 (1)

6. लोक कार्यालय को हथियाने के विरूद्ध निम्नांकित में से कौनसा रिट जारी किया जा सकता है?

(A) परमादेश लेख

(B) उत्प्रेषण लेख

(C) अधिकार पृच्छा का लेख

(D) प्रतिषेध लेख

7. अनुच्छेद 21–अ निम्न धारा भारतीय संविधान के अंतर्गत है।

(A) संविधान 43 वां संशोधन अधिनियम

(B) संविधान 86 वां संशोधन अधिनियम

(C) संविधान 70 वां संशोधन अधिनियम

(D) संविधान 74 वां संशोधन अधिनियम

8. वन्यजीवों का संरक्षण निम्नलिखित में से किसी एक में स्पष्टतः कथित उद्देश्य है?

(A) राजा के नीति निदेशक तत्व

(B) मूल कर्तव्य

(C) मूल अधिकार

(D) A व B दोनों

9. कोई नागरिक न हो सकेगा–

(A) जिसके पिता भारत में जन्में हो मां ब्रिटेन में, और 35 वर्ष से भारत में रह रहा हो।

(B) कोई निगम

(C) दोनों

(D) कोई नहीं

10. यह कथन किसका है कि ''भारत अपने ढंग का अनोखा परिसंघ है''–

(A) B.R. अम्बेडकर

(B) एलेक्जेन्ड्रोविच

(C) पं. जवाहर लाल नेहरू

(D) फिलिप्स एण्ड वेड

11. L.H.A. हार्ट है–

(A) भाषाविद दार्शनिक

(B) यथार्थवादी दार्शनिक

(C) समाजवादी दार्शनिक

(D) प्रमाणवादी दार्शनिक

12. यह हमारे न्यायधीशों द्वारा प्रत्युक्त बचकाना कल्पितार्य है कि कॉमन लॉ उनके द्वारा नहीं निर्मित की जाती है, अपितु कोई रहस्यात्मक वस्तु है जो किसी के द्वारा बनाई गई है, मैं कल्पना करता हूं कि यह अनादिकाल से विद्यमान है और समय–समय पर न्यायाधीशों द्वारा केवल घोषित की जाती है, यह आलोचना करने वाले विधिवेत्ता है।

(A) आस्टिन

(B) हॉब्स

(C) बेन्थम

(D) सामण्ड

13. विध्यात्मक चिंतन का पिता कहा जाता है?

(A) बेंथम को

(B) सेविनी को

(C) हॉब्स को

(D) आस्टिन को

14. ''प्रकृति ने मनुष्य को सुख और दुःख के साम्राज्य में स्थित किया है, हमारे सारे विचार उन्हीं से निकलते हैं, हम अपने निर्णय और जीवन के सारे संकल्प उन्हीं से जोड़ते हैं,'' उक्त उपयोगितावादी कथन किसका है?

(A) आस्टिन

(B) बेंथम

(C) ड्यूगिट

(D) केल्सन

15. विधि के रूप में किसी रूढ़ि को मान्य होने के लिए आवश्यक है–

(A) रूढ़ि का प्राचीन होना

(B) युक्तियुक्तता

(C) निरंतरता

(D) उपर्युक्त सभी

16. एक पूर्ववर्ती उदाहरण या मामला जो पश्चातवर्ती मामलों के लिए एक उदाहरण या नियम है, या उसे उस रूप में माना जा सके या उन्हें न्यायोचित ढहराया जा सके, कहलाता है–

(A) रूढ़ि

(B) विधान

(C) न्याय प्रशासन

(D) पूर्व निर्णय

17. एक व्यक्ति का अमूर्त स्वामीत्व हो सकता है–

(A) खानों पर

(B) फसलों पर

(C) मकान पर

(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

18. प्रतिनिधि या सेवक द्वारा कब्जा प्राप्त करना उदाहरण है–

(A) मूर्त कब्जे का

(B) अमूर्त कब्जे का

(C) मध्यवर्ती कब्जे का

(D) तात्कालिक कब्जे का

19. ''अन्तर्राष्ट्रीय विधि वास्तव में विधि है'' अन्तर्राष्ट्रीय विधि के सन्दर्भ में उक्त अभिमत रखने वाले विधिशास्त्री है।

(A) स्टार्क

(B) हॉब्स

(C) अस्टिन

(D) प्यूफेनडार्क

20. अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय की संविधि के किस अनुच्छेद में अन्तर्राष्ट्रीय विधि के स्त्रोतों का उल्लेख किया गया है?

(A) अनुच्छेद 20

(B) अनुच्छेद 28

(C) अनुच्छेद 37

(D) अनुच्छेद 38

21. संयुक्त राष्ट्र संघ का निम्नलिखित में से कौनसा अंग शांति के लिए खतरा या शांति भंग होने पर प्रवर्तन कार्यवाही कर सकता है?

(A) सचिवालय

(B) आर्थिक और सामाजिक परिषद्

(C) महासभा

(D) सुरक्षा परिषद्

22. न्यायमूर्ति लाटर पैट का नाम राज्य की मान्यता के संदर्भ में अधोलिखित में से किस मत के प्रवर्तक के रूप में लिया जाता है?

(A) निर्माणात्मक मत

(B) उद्घोषणात्मक मत

(C) प्रमाणात्मक मत

(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

23. अन्तर्राष्ट्रीय विवादों के शांतिपूर्ण ढंग से निवारण हेतु निम्नलिखित में से कौनसा प्रकार अपनाया जा सकता है?

(A) माध्यस्थम्

(B) वार्ता

(C) समझौता

(D) उपर्युक्त में से कोई भी

24. न्याय के अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय के कुल कितने न्यायाधीश होते हैं?

(A) 13

(B) 15

(C) 17

(D) 19

25. कब संयुक्त राष्ट्र संघ अस्तित्व में आया?

(A) 26 दिसंबर 1946

(B) 24 दिसंबर 1945

(C) 24 अक्टूबर 1945

(D) 26 अक्टूबर 1946

26. शून्य विवाह के दोनों पक्षकार यदि बिना डिग्री के पारित हुए दुसरा विवाह कर लेते है, तो वे–

(A) द्वि–विवाह के अपराधी होंगे

(B) द्वि–विवाह के अपराधी हो भी सकते हैं, नहीं भी

(C) द्वि–विवाह के अपराधी नहीं होंगे

(D) सभी उत्तर सही हैं

27. अधोलिखित में से किस धारा के अन्तर्गत दाम्पत्य अधिकारों की प्रत्यास्थापना का प्रावधान उल्लिखित है?

(A) हिंदू विवाह अधिनियम धारा 8

(B) हिंदू विवाह अधिनियम धारा 9

(C) हिंदू विवाह अधिनियम धारा 10

(D) हिंदू विवाह अधिनियम धारा 12

28. मुस्लिम विधि के मुख्य स्त्रोत हैं–

(A) कुरान

(B) सुन्नत और अहाडिस

(C) इज्मा व कियास

(D) उपरोक्त सभी

29. तुहर की अवधि में तलाक की एक बार घोषणा की जाती है, और इद्दत की अवधि में समागम से परहेज किया जाता है, उसको क्या कहते हैं?

(A) तलाक–ए–हसन

(B) तलाक–ए–बिद्दत

(C) तलाक–ए–अहसन

(D) तलाक–ए–तफवीज

30. कौनसा तलाक अविखण्डनीय होता है–

(A) तलाक–ए–हसन

(B) तलाक–ए–अहसन

(C) तलाक–ए–सुन्नत

(D) तलाक–उल–विद्दत

31. अधोलिखित में से कौनसे व्यक्ति संविदा करने के लिए अनर्ह है–

(A) अवयस्क

(B) अस्वस्थ मस्तिष्क

(C) विधि द्वारा अनुबंध करने के अयोग्य घोषित व्यक्ति

(D) उपर्युक्त सभी

32. एक प्रस्ताव, जब स्वीकार किया जाता है, तो वह क्या बन जाता है?

(A) स्वीकृति

(B) प्रस्ताव

(C) वचन

(D) करार

33. 'क' अपने सेवक 'ख' को उसका भूखण्ड उसे बाजार मूल्य से कम मूल्य पर विक्रय करने को कहता है। सेवक संविदा कर लेता है। बाद में वह अपनी संविदा से किस आधार पर मना कर सकता है।

(A) प्रपीडन

(B) असम्यक असर

(C) कपट

(D) दुर्व्यपदेशन

34. जब संविदा स्वतंत्र सहमति के बिना सृजित की जाती है जो संविदा–

(A) वैद्य

(B) अवैद्य

(C) शून्य

(D) उस पक्षकार के विकल्प पर शून्यकरणीय जिसकी स्वतंत्र सहमति नहीं थी।

35. यदि 'ख' की फैक्ट्री आग में जल जाती है तो 'क' 'ख' को रूपये एक करोड़ संदाय करने का संविदा करता है। ऐसा संविदा क्या कहलाती है?

(A) पंद्यम संविदा

(B) सदृश्य संविदा

(C) एच्छिक संविदा

(D) समाश्रित संविदा

36. ''actus nonfacit reum, nisi means sit rea'' नामक विधिक सूत्र का क्या अर्थ है?

(A) जहां अधिकार है, वहां उपचार है।

(B) जहां चाह है वहां राह है।

(C) बिना क्षति के विधिक अधिकार का अतिक्रमण

(D) केवल कार्य किसी को अपराधी नही बनाता यदि उसका मन अपराधी न हो।

37. 'क' मुक्केबाजी की प्रतियोगिता के मैच में स्वेच्छापूर्वक हिस्सा लेता है और गम्भीर चोट से ग्रसित हो जाता है। अपकृत्य विधि के अधीन 'क' के उपचार के लिए कौनसा विधिक उपचार उपलब्ध है?

(A) कोई उपचार उपलब्ध नहीं होगा क्योंकि उक्त कृत्य में दुराशय का अभाव था।

(B) उपचार उपलब्ध होगा क्योंकि अपने परिवार का भरण पोषण करने के लिए 'क' के पास आजीविका का कोई साधन नहीं है।

(C) क को चोट का प्रतिकर मिलना न्यायोचित है क्योंकि उसकी स्वयं की कोई गलती नहीं थी।

(D) ''Volunti non fit injuria'' के सूत्र के अनुसार 'क' को विधिक उपचार उपलब्ध नहीं होगा।

38. कौन से कृत्य के लिए कारित करने वाला व्यक्ति अपकृत्य और अपराध दोनों के लिए दायी होगा।

(A) षडयंत्र, प्रहार

(B) अतिचार, अंगभंग

(C) हमला, मानहानि

(D) उपरोक्त सभी

39. अपकृत्य के कुछ मामले ऐसे होते हैं, जिनमें प्रतिवादी के साथ बादी को भी दायी ठहराया जाता है। इसको कहते हैं–

(A) अंशदायी उपेक्षा

(B) प्रतिनिधिक दायित्व

(C) वैकल्पिक संकट का सिद्धांत

(D) अंतिम अवसर का सिद्धांत

40. ऐसा अपराध जिसमें पुलिस अधिकारी अभियुक्त को वारण्ट के बिना गिरफ्तार कर सकता है, कहलाता है–

(A) अजमानतीय अपराध

(B) जमानतीय अपराध

(C) संज्ञेय अपराध

(D) असंज्ञेय अपराध

41. यदि कोई न्यायाधीश तथ्य की भूल के कारण गलत निर्णय देता है तो वह दायी नहीं होगा?

(A) धारा 77

(B) धारा 75

(C) धारा 78

(D) धारा 79

42. भारतीय दण्ड संहिता के अन्तर्गत कौन–कौन से अपराध की तैयारी मात्र को दण्डनीय किया गया है?

(A) भारत सरकार के विरूद्ध युद्ध करने के आशय से तैयारी

(B) भारत सरकार के साथ शांति का सम्बंध रखने वाली शक्ति के राज्य क्षेत्र में लूटपाट की तैयारी

(C) डकैती की तैयारी

(D) उपर्युक्त सभी

43. भारतीय दण्ड संहिता में निम्न में से किस अपराध के प्रयत्न को अपराध माना गया है?

(A) हत्या

(B) आपराधिक मानव वध

(C) आत्महत्या

(D) उपर्युक्त सभी

44. ख के प्राधिकार के बिना क इस आशय से कि उसके द्वारा य के अधीन नौकरी अभिप्राप्त करे, क के शील को प्रमाणित करते हुए पत्र लिखता है, और उसे ख के नाम से हस्ताक्षरित करता है। क किस अपराध का दोषी है?

(A) कूट रचना

(B) आपराधिक न्यास भंग

(C) छल

(D) आपराधिक षड्यंत्र

45. भारतीय दण्ड संहिता में सद्भावनापूर्वक शब्द परिभाषित है–

(A) धारा 51

(B) धारा 52

(C) धारा 50

(D) धारा 53

46. भारतीय दण्ड संहिता 1860 की धारा 53 में कितने प्रकार के दण्डों का उल्लेख किया गया है?

(A) 5 प्रकार के

(B) 6 प्रकार के

(C) 7 प्रकार के

(D) उल्लेखित नहीं है

47. औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 में दी गई उद्योग की परिभाषा से अभिप्राय है–

(A) कारोबार

(B) उपक्रम

(C) हस्तशिल्प

(D) उपर्युक्त सभी

48. औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 के अनुसार औद्योगिक विवाद हो सकता है?

(A) नियोजक और नियोजकों के बीच

(B) नियोजक और कर्मकारों के बीच

(C) कर्मकार और कर्मकार के बीच

(D) उपर्युक्त सभी के बीच

49. औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 की किस धारा में नियोजकों और कर्मकारों के मध्य उत्पन्न विवादों के निपटारे के लिए कार्य–समिति के गठन का प्रावधान किया गया है?

(A) धारा 3

(B) धारा 4

(C) धारा 5

(D) धारा 6

50. औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 की किस धारा में जबरी छुट्टी को परिभाषित किया गया है?

(A) 25 (च)

(B) 25 (ग)

(C) 25 (छ)

(D) 25 (ण)

Paper III

1. अनुच्छेद 12 के तहत 'राज्य' की परिभाषा में सम्मिलित नहीं है।

(A) संसद

(B) राज्यों के विधान मण्डल

(C) संवैधानिक एवं संसदीय अध्ययन केन्द्र/संस्थान

(D) ग्रामीण बैंक

2. भारत में संविधान के अनुच्छेद 300-क के अधीन सम्पत्ति का अधिकार कौनसी किस्म का अधिकार है?

(A) मूल अधिकार

(B) संवैधानिक अधिकार

(C) व्यक्तिगत अधिकार

(D) वित्तीय अधिकार

3. राष्ट्रीय आपातकाल के समय भारत के संविधान का कौनसा अनुच्छेद स्वतः निलम्बित हो जाता हैं ?

(A) अनुच्छेद 17

(B) अनुच्छेद 21

(C) अनुच्छेद 19

(D) अनुच्छेद 20

4. संविधान के कौनसे संशोधन अधिनियम द्वारा अनुच्छेद 51–क (मूल कर्तव्य) में नया मूल कर्तव्य जोड़ा गया ?

(A) 84 वाँ संशोधन अधिनियम 2001

(B) 86 वाँ संशोधन अधिनियम 2002

(C) 91 वाँ संशोधन अधिनियम 2003

(D) 92 वाँ संशोधन अधिनियम 2003

5. संविधान का 'मूल ढाँचा' के सिद्धांत का प्रतिपादन सर्वप्रथम किस मामले में किया गया था ?

(A) सज्जन सिंह v राजस्थान राज्य

(B) केशवानन्द भारती v केरल राज्य

(C) मिनर्वा मिल्स v भारत संघ

(D) शंकरी प्रसाद v भारत संघ

6. संविधान के अनुच्छेद 53 के अन्तर्गत संघ की कार्य पालिका शक्ति किसमें निहित होगी ?

(A) प्रधानमंत्री

(B) मुख्यमंत्री

(C) राज्यपाल

(D) राष्ट्रपति

7. कोई विधेयक, धन विधेयक है या नहीं, इस पर अंतिम विनिश्चय किसका होगा ?

(A) प्रधानमंत्री

(B) राष्ट्रपति

(C) मुख्यमंत्री

(D) लोक सभा अध्यक्ष

8. उच्चतम न्यायालय को निम्न में से कौन–कौन सी अधिकारिता प्राप्त है ?

(A) मूल आधिकारिता

(B) अपीलीय अधिकारिता

(C) परामर्शदायी अधिकारिता

(D) उपर्युक्त सभी

(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं

VPM CLASSES

9. भारत के संविधान के किस भाग को इस संविधान की आत्मा कहा जाता है।

(A) उद्देशिका

(B) मूल अधिकार

(C) निदेशकतत्व

(D) मूल कर्तव्य

10. भारत के संविधान के बारे में इन में से गलत कथन कौन सा है ?

(A) दोहरी नागरिता

(B) शक्तियों का विभाजन

(C) वयस्क मताधिकार

(D) निवारक निरोध

11. निम्नलिखित में से किस आधार पर सरकार शिक्षण संस्था में विद्यार्थियों को प्रवेश देने से मना कर सकती है।

(A) धर्म

(B) मूलवंश

(C) लिंग

(D) जाति

12. प्रेस की स्वतंत्रता का अधिकार निम्न में से किस अनुच्छेद में किया गया है

(A) अनुच्छेद 19

(B) अनुच्छेद 21

(C) अनुच्छेद 18

(D) अनुच्छेद 16

13. भारत के संविधान के कौनसे अनुच्छेद में 'विधि का शासन' या कोई भी व्यक्ति विधि से उपर नहीं है निहित है ?

(A) अनुच्छेद 12

(B) अनुच्छेद 14

(C) अनुच्छेद 21

(D) अनुच्छेद 19

14. न्यायिक पूर्व निर्णय का वह भाग जोग मामले में ताखिक होता है तथा अन्य मामलों में जिसका अनुसरण किया जाता है। कहलाता है–

(A) रेसियों डेसिडेन्डी

(B) ओबिटर डिक्टा

(C) लिटरा लेगिस

(D) सन्टेशिया लेगिस

15. न्यायिक पूर्व निर्णय का वह भाग जो सामान्य प्रयोग का कोई सिद्धांत अभिकथित नहीं करते, कहा जाता है–

(A) रेसियों डेसिडेन्डी

(B) ओबिटर डिक्टा

(C) लिटरा लेगिस

(D) फेक्टम वैलट

16. वैध रूढ़ि को अधिनियमित विधि से सुसंगत होना चाहिए अन्यथा रूढ़ियों को –

(A) अवैध घोषित किया जाएगा

(B) शून्यकरणीय होगी

(C) वैध होगी

(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

17. 'क' 5000 रूपये 'ख' को इस शर्त पर देता है कि वह 'ग' 'घ' और 'ङ' की सम्पति से विवाह करेगा, 'ङ' की मृत्यु हो जाती है 'ग' और 'घ' की सम्पत्ति से 'ख' विवाह करता है ऐसी स्थिति में रूपये पर 'ख' का स्वामित्व होगा–

(A) पूर्व स्वामित्व

(B) विधिक स्वामित्व

(C) समाश्रित स्वामित्व

(D) निहित स्वामित्व

18. उपयोग की दृष्टि से ,असीम व्ययन की दृष्टि से अनिर्बन्धित अवधि की दृष्टि से असीमित तत्व है–

(A) स्वतंत्रता

(B) कब्जा

(C) स्वामित्व

(D) अर्जन

19. विधि की समादेश के रूप में व्याख्या करने वाले विधिशास्त्री है–

(A) बैंथम

(B) आस्टिन

(C) हेनरी मेन

(D) जेयेम फ्रेंड

20. आस्टिन द्वारा दी गई परिभाषा में 'सम्प्रभु' केल्सन की परिभाषा में–

(A) कोई स्थान नहीं पाता

(B) अमानसिक समादेश कहलाता है

(C) सम्प्रभु के रूप में ही दर्शित ळे

(D) उपरोक्त में से कोई नहीं

21. राज्य की मान्यता को निर्माणात्मक तथा उद्घोषाणात्मक दोनो ही है किसने कहा–

(A) प्रो. स्वार्जनबर्जर

(B) ओपेनहाइम

(C) हॉलेण्ड

(D) लाटरपेट

22. संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अधीन मानवाधिमकार के प्रोन्नयन के लिए आयोग बनाने की शक्ति निम्नलिखित में से किसकों है

(A) महासंचिव

(B) अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय

(C) सुरक्षा परिषद्

(D) आर्थिक एवं सामाजिक परिषद्

23. कार्थेज एवं मनोबा के महत्वपूर्ण अन्तर्राष्ट्रीयवाद का निस्तारण किया गया–

(A) न्याय के अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय द्वारा

(B) वार्ता द्वारा

(C) स्थायी विवाचन न्यायालय द्वारा

(D) मध्यस्थता द्वारा

24. अन्तर्राष्ट्रीय झगड़ों के निपटारे के बाध्यकारी ढंग है–

(A) प्रतिकार

(B) बलपूर्वक प्रतिकार

(C) हस्तक्षेप

(D) उपरोक्त सभी

25. अन्तर्राष्ट्रीय विवादों के निपटारे के शांतिपूर्ण तरीके बताइयें ?

(A) माध्यस्थम

(B) बलपूर्वक प्रतिकार

(C) हस्तक्षेप

(D) प्रतिकार

26. दो हिन्दुओं जिसमें से कोई एक पक्षकार की विवाह करने की मानसिक क्षमता नहीं है, के बीच विवाह का अनुष्ठापन होगा–

(A) वैध

(B) अवैध

(C) शून्य

(D) शून्यकरणीय

27. हिन्दू विवाह अधिनियम 1955 की धारा 26 उपबंधित करता है–

(A) अवयस्क सन्तान की अभिरक्षा, भरण पोषण, शिक्षा

(B) अवयस्क सनतान का, दत्तक

(C) अवयस्क संतान विवाह

(D) वैधता या अवैधता का परीक्षण

28. ''विवाह के एक वर्ष के भीतर विवाह–विच्छेद के लिए कोई याचिका पेश नहीं कि जाऐगी'' उपबंधित किया गया है–

(A) धारा 13 क हिन्दू विवाह अधिनियम 1955 में

(B) धारा 14 क हिन्दू विवाह अधिनियम 1955 में

(C) धारा 15 क हिन्दू विवाह अधिनियम 1955 में

(D) धारा 16 क हिन्दू विवाह अधिनियम 1955 में

29. कोई भी दत्तक विधिमान्य तभी होगा जब समर्थ हो–

(A) दत्तक लेने वाला

(B) दत्तक देने वाला

(C) दत्तक व्यक्ति स्वयं

(D) उपरोक्त सभी

30. जब कोई हिन्दू, जिसकी पत्नी जीवित है किसी अपत्य को दत्तक लेता है, तब वह उस अपत्य की क्या समझी जाएगी ?

(A) नैसर्गिक माता

(B) सोतेली माता

(C) दत्तक माता

(D) धर्म माता

31. हिंदू विधि के अनुसार, किसी संयुक्त हिन्दू कुटुम्ब का कर्ता कौन हो सकता है ?

(A) परिवार का अधिक शिक्षित पुरूष

(B) सबसे बुद्धिमान सदस्य

(C) परिवार का सबसे वरिष्ठतम पुरूष सदस्य

(D) परिवार का सबसे वरिष्ठ महिला

32. विवाह की शून्यकरणीयकता का आधार है–

(A) पत्नी का पति से भिन्न व्यक्ति से गर्भवती होना

(B) प्रत्यर्थी की नपुसंकता

(C) पागलपन अथवा अति चित्त विकृति?

(D) उपरोक्त सभी

33. ''क्रूरता'' कौनसा अनुतोष प्राप्त करने के लिए एक विधिक आधार है ?

(A) विवाह विच्छेद

(B) न्यायिक पृथककरण

(C) विवाह विच्छेद एंव न्यायिक पृथक्करण

(D) दाम्पत्य अधिकारों का प्रत्यास्थापन

34. विवाह विच्छेद की डिग्री की अपील लम्बित रहने के दौरान पक्षकार दूसरा विवाह करने लिए

(A) असक्षम है

(B) सक्षम है

(C) न्यायालय की सहमति के सक्षम है।

(D) संरक्षक की सहमति से सक्षम है।

35. इस अधिनियम के अनुसार, वादकालीन भरण–पोषण और कार्यवाहियों के व्यय एवं स्थायी निर्वाह–व्यय और भरण–पोषण की राशी कौन प्राप्त कर सकेगा–

(A) केवल पत्नी

(B) केवल पति

(C) पति या पत्नी यथास्थिति

(D) केवल संताने

36. 'मुता' के बारे में निम्नलिखित कथनों में से कौनसा कथन गलत है–

(A) शिया मुसलमानों को मुता की संविदा का अधिकार है,

(B) सुन्नी मुसलमानों को मुता की संविदा का अधिकार है

(C) मुता अस्थायी विवाह है

(D) इसमें मेहर निश्चित होता है।

37. मुस्लिम विवाह की आवश्यक शर्ते है

(A) इजाब

(B) कुबुल

(C) दोनों

(D) कोई शर्त नहीं

38. मुसलमान कौन है।

(A) हिन्दू धर्म त्यागने से

(B) संपरिवर्तन से, जन्म से

(C) पारासी धर्म ग्रहण करने से

(D) ईश्वर से विश्वास करने से

39. मेहर किसे कहते है।

(A) वह धनराशी जो विवाह के प्रतिकर के रूप में पति द्वारा पत्नी को दी जाती है

(B) वह अन्तराल अवधि जिस तक तलाकशुदा स्त्री अन्य पुरूष से विवाह करने से पूर्व प्रतीक्षा करती है।

(C) पति द्वारा पत्नी पर व्यभिचारिता का झूठा आरोप

(D) पति द्वारा विवाह का विघटन

40. इद्दत का क्या तात्पर्य है।

(A) विवाह के प्रतिकार के रूप में की गई धनराशि

(B) अन्तराल अवधि जिस तक तलाकशुदा पत्नी अन्य पुरूष से विवाह करने से पूर्व प्रतीक्षा करती है।

(C) पति द्वारा पत्नी पर व्यभिचारिता का झूठा आरोप

(D) पति द्वारा विवाह का विघटन

41. मेहर–ए–मुवज्जल अदायगी के काबिल कब हो जाता है।

(A) मृत्यु

(B) विवाह विघटन

VPM CLASSES

(C) तलाक

(D) तीनों पर

42. यदि यौवनागम की आयु प्राप्त कर लेने के पश्चात् विवाह की पूर्वावस्था हो जाने की दशा में ख्यार–उल–बुलुग का अधिकार–

(A) समाप्त हो जाता है

(B) समाप्त नहीं होता

(C) दोनों

(D) दोनों में से कोई नही

43. हिबा का क्या अभिप्राय है–

(A) दान

(B) सदका

(C) अरियत

(D) उपरोक्त सभी

44. निम्न में से कौनसा मेहर का प्रकार नहीं है।

(A) तात्कालिक मेहर

(B) आस्थतिक मेहर

(C) संपूर्ण मेहर

(D) हिबा

45. वक्फ क्या है

(A) धार्मिक प्रयोजन से सम्पत्ति का स्थायी समर्पण

(B) व्यक्ति द्वारा सम्पत्ति का दान

(C) व्यक्ति की चल या अचल सम्पत्ति या अविभाज्य हिस्सा

(D) फलोपभोग की अनुमति सहित किया गया दान

46. किसी संविदा के सृजन के लिए सही अनुक्रम है–

(A) प्रस्ताव, स्वीकृति, प्रतिफल, और करार

(B) प्रस्ताव, प्रतिफल, करार और स्वीकृति

(C) स्वीकृति, प्रस्ताव, करार और प्रतिफल

(D) प्रस्ताव, स्वीकृति, प्रतिफल और करार

47. 'अ' अपने भूखण्ड को 10 लाख रूपये में विक्रय करने का प्रस्ताव 'ख' को देता है। 'ख' भूखण्ड को 8 लाख रूपये में क्रय हेतु अपनी सहमति जाहिर करता है। 'ख' का उत्तर क्या कहलाएगा ?

(A) प्रस्ताव का आमंत्रण

(B) स्वीकृति

(C) प्रस्ताव

(D) प्रति–प्रस्ताव

48. संविदा–कानून के अन्तर्गत, निवादाओं का आमंत्रण कहलाता है।

(A) संविदा का आमंत्रण

(B) प्रतिप्रस्ताव

(C) प्रस्ताव का आमंत्रण

(D) प्रस्ताव

49. 'A' 'B' को बचाता है जो कि बाढ़ के पानी में डूब रहा है,

या

'A' 'B' की सम्पत्ति को आग में जलने से बचाता है,

(A) 'A' 'B' की प्रतिकार प्राप्त करने का हकदार है।

(B) 'A' 'B' को प्रतिकर देने को बाध्य है,

(C) 'A' प्रतिकार का हकदार नहीं है,

(D) उपरोक्त सभी सही है।

50. निम्न कथनों में से कौनसा कथन सत्य है।

(A) शून्य संविदाएं सदैव अवैध होती है

(B) अवैध संविदाएं सदैव शून्य संविदाएँ होती है

(C) शून्यकरणीय संविदाएं संदैव अवैध संविदाए होती है

(D) अवैध संविदाएं सदेव शून्यकरणीय संविदाएं होती है।

51. आत्महत्या की धमकी द्वारा नौकरी की संविदा करना कहलाता है ?

(A) प्रपीडन

(B) दुर्व्यपदेशन

(C) असम्यक असर

(D) कपट

52. 'x' y' को कहता है ''यदि तुम इससे इंकार नहीं करोगे तो में यह उपधारित करूंगा कि गाय (संविदा की विषय वस्तु) मजबूत व दुधारू है,'' 'y' कुछ नहीं बोलता /y का चुप रहना है–

(A) दुर्व्यपदेशन

(B) कपट

(C) अमस्यक असर

(D) प्रपीड़न

53. 'क' 'य' से यह कह कर, सम्पत्ति अभिप्राप्त करता है। कि तुम्हारा शिशु मेंरी टोली के हाथों में है, यदि तुम हमारे पास एक लाख रूपये नहीं भेजागे तो वह मार डाला जाएगा।

(A) उद्दापन

(B) चोरी

(C) लूट

(D) डकैती

54. 'A' जो रोडवेज बस का कन्डक्टर है यात्री से किराया लेकर टिकिट नहीं देता 'A' ने क्या अपराध किया ?

(A) आपराधिक दुर्विनियोग

(B) अपराधिक न्यास भंग

(C) विधि की अवज्ञा

(D) 2 व 3 दोनों

55. भारतीय दण्ड संहिता की किस धारा में घोर उपहति को परिभाषित किया गया है ?

(A) 319

(B) 320

(C) 325

(D) 321

56. 'A' मेज पर सोने की अंगूठी पाता है वह उसे उठाकर कमरे में ही कही रख देता है ताकि बाद में उसे उठा सके। 'A' का अपराध बताइयें ?

(A) कोई अपराध नहीं

(B) छल

(C) आपराधिक दुर्विनियोग

(D) चोरी

57. 'अ' 'ब' की हत्या करने के लिए 'स' को उकसाता है परिणामस्वरूप 'स' 'ब' पर आक्रमण करता है 'अ' का अपराध बताइयें ?

(A) हत्या

(B) हत्या का प्रयत्न

(C) हत्या का दुष्प्रेरण

(D) हत्या के प्रयत्न का दुष्प्रेरण

58. निम्न में दुष्प्रेरण का अपराध किया जा सकता है–

(A) प्रयत्न द्वारा

(B) तैयारी द्वारा

(C) धमकी द्वारा

(D) षडयंत्र द्वारा

59. मृत्यु और आजीवन कारावास के दण्डादेश का लघुकरण किसके द्वारा किया जा सकता है?

(A) राष्ट्रपति

(B) प्रधानमंत्री

(C) सर्वोच्च न्यायालय

VPM CLASSES

(D) केन्द्रीय सरकार, राज्य सरकार

60. 'क' सिविल प्रकरण चलाने से प्रविरत रहने के लिए 'ख' को उत्प्रेरित करने के प्रयोजन से 'ख' को उसका मकान जलाने की धमकी देता है, 'क' का अपराध बताइये?

(A) उद्दापन

(B) आपराधिक दुर्विनियोग

(C) रिवटी

(D) आपराधिक अभित्रास

61. मानहानि किसी व्यक्ति की ……………….. पर हमला है?

(A) जीवन पर

(B) सम्मान या ख्याति पर

(C) स्वतंत्रता पर

(D) राष्ट्रीयता पर

62. अपकृत्य एक …………………….. है–

(A) सिविल अपकार

(B) अपराध

(C) न्यास भंग

(D) संविदा भंग

63. उपताप के प्रकार हैं–

(A) प्राइवेट उपताप और सार्वजनिक उपताप

(B) प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष

(C) विधिक और नैतिक

(D) शून्य और शून्यकरणीय

64. राजस्थान राज्य बनाम विद्यावती का वाद सम्बंधित है?

(A) उपेक्षा

(B) मानहानि

(C) उपताप

(D) प्रतिनिधिक दायित्व

65. कस्तूरी लाल बनाम उत्तरप्रदेश राज्य का मामला सम्बंधित है?

(A) उपेक्षा

(B) मानहानि

(C) उपताप

(D) प्रतिनिधिक दायित्व

66. रायलैण्ड बनाम फ्लैचर का वाद किससे सम्बंधित है?

(A) उपेक्षा

(B) मानहानि

(C) कठोर दायित्व

(D) प्रतिनिधिक दायित्व

67. ''noves actus interveniens'' अर्थात् ''क्षतिपूर्ति की दुरस्थता'' का विनिश्चय निम्न में से किससे किया जाता है?

(A) युक्तियुक्त पूर्वदर्शिता का परीक्षण, प्रत्यक्षता का परीक्षण

(B) उपेक्षा या असाक्धानी

(C) पूर्ण दायित्व

(D) कठोर दायित्व

68. यदि अधिक व्यक्तियों के लाभ या सुरक्षा के लिए कम व्यक्तियों को हानि कारित की जाती है, तो उसे क्या कहा जाता है?

(A) सिनरी नॉन फिट इन्जुरिया

(B) आवश्यकता जन्य कार्य

(C) अंशदायी उपेक्षा

(D) संयुक्त अपकृत्यकर्ता

69. कोई उच्च न्यायालय संविधान के किस अनुच्छेद के अधीन 'लोक हित वाद' याचिका को ग्रहण करता है?

(A) अनुच्छेद 13

(B) अनुच्छेद 32

(C) अनुच्छेद 227

(D) अनुच्छेद 226

70. ''नैसर्शिक न्याय के सिद्धांत'' का पालन किस प्रकार की कार्यवाहियों में किया जाना चाहिए?

(A) न्यायिक कार्यवाहियों में

(B) न्यायिक कल्प कार्यवाहियों में

(C) प्रशासनिक कार्यवाहियों में

(D) सभी कार्यवाहियों में

71. भारत में लोकपाल की नियुक्ति पहली बार की गई

(A) सन् 1989

(B) सन् 1990

(C) सन् 1993

(D) अभी तक नहीं की गई

72. प्रशासनिक विधि किसकी शक्तियों तथा प्रक्रिया से संबन्धित है ?

(A) प्रशासनिक अभिकरण

(B) न्यायालय

(C) विधान परिषद्

(D) विधानसभा

73. न्यायिक पुनविलोकन का सिद्धांत ......

(A) आधारिक संरचना का भाग है

(B) आधारिक संरचना का भाग नहीं है

(C) विधान मण्डल द्वारा पारित विधान द्वारा वर्जित किया जा सकता है।

(D) संविधान के संशोधन द्वारा अपवर्जित किया जा सकता है।

74. औद्योगिक विवाद (संशोधन) अधिनियम 1982 का मुख्य उद्देश्य था ?

(A) उद्योग की परिभाषा को सीमित करना

(B) कर्मकार की परिभाषा की व्याख्या करना

(C) औद्योगिक विवाद की विषय वस्तु की निर्धारण करना

(D) उपर्युक्त सभी

75. क्या न्यायालय ने औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 की धारा 25–ण को अवैध घोषित किया है।

(A) हाँ

(B) नहीं

(C) कुछ नही कहा जा सकता

(D) उपरोक्त में से कोई नहीं

ANSWER KEY

Paper I

Question	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20
Answer	B	C	D	B	C	D	D	D	D	C	C	B	A	B	D	B	C	C	A	D
Question	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40
Answer	C	D	B	A	C	C	B	D	B	D	D	C	B	D	C	B	C	D	C	C
Question	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50										
Answer	C	D	A	C	D	D	B	A	C	D										

Paper II

Question	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20
Answer	A	A	C	C	C	C	B	D	B	B	D	A	D	B	D	D	D	C	A	D
Question	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40
Answer	D	A	D	B	C	C	B	D	C	D	D	C	B	D	D	D	D	D	A	C
Question	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50										
Answer	A	D	D	A	B	B	D	D	A	B										

Paper III

Question	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20
Answer	C	B	C	B	B	D	D	D	A	A	C	A	B	A	B	A	D	C	B	A
Question	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40
Answer	B	D	C	D	A	D	A	B	D	C	C	D	C	A	C	B	C	B	A	B
Question	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60
Answer	D	A	D	D	A	A	D	C	C	B	A	B	A	D	B	D	C	D	D	D
Question	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75					
Answer	B	A	A	D	D	C	A	B	D	D	D	A	A	A	A					

HINTS AND SOLUTIONS

Paper I

1.(B) शोध एक प्रक्रिया है जिसमें निर्धारित उद्देश्यों के आधार पर निष्कर्ष तक पहुंचने की एक प्रक्रिया होती है।

2.(C) शिक्षण का उद्देश्य छात्रों में तर्क, चिन्तन व बौद्ध क्षमता का विकास करना है जिससे वे शैक्षिक समस्याओं का समाधान कर अधिगम की ओर अग्रसर हो सके।

3.(D) विज्ञान शिक्षण की प्रक्रिया 'करके सिखने के' सिद्धान्त पर आधारित होनी चाहिए। इसलिए प्रयोगशाला पद्धति सर्वश्रेष्ट है। प्रश्नोत्तर द्वारा विज्ञान को नहीं समझा जा सकता है। आगमन व समस्या पद्धति, सिद्धान्त तक पहुंचने में सहायक है।

4.(B) आविष्कार में अनुसंधान निहीत नहीं होता है क्योकि अनुसंधान एक निर्धारित प्रक्रिया है। परन्तु अनुसंधान, आविष्कार मुखी होता है क्योंकि इसमे नये तथ्यो को खोजा जाता है।

5.(C) यदि शिक्षण प्रभावशाली है तो छात्र सक्रिय रहकर प्रश्न पूछते है। प्रश्नो की गुणवत्ता, शिक्षण की गुणवत्ता पर निर्भर करती है।

6.(D) विचार विमर्श विधी (disussion method) का उपयोग किसी भी प्रकार की विषय–वस्तु के लिए किया जा सकता है।

7.(D) अनुसंधान के उद्देश्य कथन या प्रश्न के रूप में लिये जा सकते है और यह कार्य शोध के प्रथम अध्याय में किया जाता है। प्रथम अध्याय में समस्या, उद्देश्य, परिकल्पनाऐ लिखे जाते है।

8.(D) वर्तमान वार्षिक परीक्षा प्रणाली में छात्र पुरे वर्ष निष्क्रिय रहते है केवल वर्ष के अन्त में जब परीक्षा का समय होता है तब अध्ययन कार्य करते है। वार्षिक परीक्षा प्रणाली के दोषों को सेमेस्टर प्रणाली से दूर किया जा सकता है।

9.(D) प्रयोगात्मक अनुसंधान में स्वतन्त्र चर व परतन्त्र चर को उपयोग में लाया जाता है। स्वतन्त्र चर के प्रभावों को परतन्त्र चर पर अध्ययन करते है। प्रयोगात्मक शोध में स्वतन्त्र चर या विचलन को ट्रीटमेन्ट या मैनीपुलेटेड या प्रयोगात्मक विचलन कहेगें क्योंकि इसमें परिर्वतन करके उसके द्वारा परतन्त्र विचलन पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन किया जाता है।

10.(C) सामाजिक विज्ञान के अध्ययन के लिए कार्यशाला (Work shop) विधी सर्वश्रेष्ठ है।

11.(C) इस उद्धरण में वृद्ध ब्यक्तियों, विकलांगों ओर बेरोजगारों की सामाजिक सुरक्षा के बारे में बताया गया है।

12.(B) अमरीका एक पूंजीवादी देश था ।

13.(A) रूजवेल्ट ने 1935 में एक सामाजिक सुरक्षा अधिनियम पारित किया। इस अधिनियम के अन्तर्गत विकंलागों ओर बेरोजगारों को वित्तीय सहायता दी गयी।

14.(B) 1935 के अधिनियम में 65 वर्ष से अधिक उम्र के व्यक्तियों को वृद्धा पेन्शन दी गयी।

15.(D) इस अधिनियम का मुख्य उद्देश्य वृद्ध व्यक्तियों, विकलांगों ओर बेरोजगारों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करना है।

16.(B) सभी कथनो में अहंकारी होना या नहीं होना बताया गया है परन्तु, दूसरे कथन में विनम्र बताया है। यदि अधिकतर कवि विनम्र है तो कुछ कवि विनम्र होगे, ना की अंहकारी होगें।

M E A D O W   C O R N E R
17.(C) ↓ ↓ ↓ ↓ ↓ ↓ लिखते है तो ↓ ↓ ↓ ↓ ↓ ↓ को लिखेगे।
B F N V N C   S P D Q D M

18.(C) द्वितीय कथन में प्रसिद्धि का कारण केवल टॉप के अभिनेता होना नहीं मान सकते है तृतीय कथन में लता राजू की दूसरी बहन हो सकती है परन्तु राजू, लता का कौनसे नम्बर का भाई है यह कहना मुशकिल है। चतुर्थ कथन में जब A, B के बराबर नहीं है तो C के कैसे बराबर होगा।

19.(A) BBC वर्ल्ड, एक न्यूज चैनल है। जिसमे Knowing is very thing, विज्ञान पंक्ति बोली जाती है।

20.(D) इस प्रकार के प्रश्नों के लिए एक सूत्र होता है–

E	J	O	T	Y
↓	↓	↓	↓	↓
5	10	15	20	25
+	+	+	+	+
4	4	4	4	4
9	14	19	24	29

यदि A को 5 माना हो अतः 4 अंक बड़ा दिया है तो सूत्र हो जायेगा–

22 वाँ होगा R, 25 वाँ U, 8 वाँ D, 22 वाँ R, 5 वाँ A होगा।

21.(C) उपरोक्त सभी सीरियलों में हम लोग सीरियल सबसें पुराना है।

22.(D) $\frac{2}{3}, \frac{4}{7}, \frac{7}{13}, \frac{11}{21}, \frac{16}{31}$ इसमे अंश का अंतराल 2, 3,4,5 है जबकि हर का अंतराल 4, 6, 8, 10 है।

23.(B) इन सभी विशिष्ट महिलाओं के कार्यक्षेत्र विशेष 2, 1, 4, 3 के क्रम मे है।

24.(A) यह आवश्यक नहीं है जो शत्रु राम के लिए इकलौता शत्रु है उसके लिए राम भी इकलौता शत्रु हो।

25.(C) माना की तीनों प्रकार के x संख्या है तो–

1 रू. के लिए = x

50 पैसे के लिए = $\frac{x}{2}$

25 पैसे के लिए = $\frac{x}{4}$

$$x + \frac{x}{2} + \frac{x}{4} = 35 \text{ रू. } 7x = 140$$

$$x = 20$$

26.(C) हंगामा चैनल एक भारतीय कार्टून चैनल है जिसमे बाल कलाकारो के कार्यक्रम भी प्रसारित होते है।

27.(B) 1, 3 और 4 कथन सदैव सत्य है।

28.(D) सेरोगेट मदर किसी भी रिश्तेदार के बच्चे को जन्म दे सकती है। कारें डीजल से भी चलती है।

29.(B) B —4— G —4— L —4— Q सभी मे 4 शब्दों को Skip किया है और F —4— K —4— P —4— U में भी 4 Words skip किये है।

30.(D) वीर संघवी का इण्डिया टुडे से कोई सम्बन्ध नही है।

31.(D) राज्य B के लिए सन् 2003 से 2004 मे वृद्धि में (30– 20 = 10) अधिकतम है।

32.(C) राज्य B की औसत जनसंख्या $= \frac{15+25+30+30+40+45}{6} = 30.8$

33.(B) राज्य B की जनसंख्या में सन् 2007 में वृद्धि हुई $\frac{40-30}{30}\times 100 = \frac{10}{30}\times 100 = 33.33\%$

34.(D) अनालॉग के लिए अनालॉग कम्पयूटर होता है और डिजिटल प्रोसेसिंग के लिए डिजिटल कम्प्यूटर होता है।

35.(C) वायरस एक घातक सॉफ्टवेयर है जो कम्प्यूटर प्रोग्राम को अवरूद्ध करता है।

36.(B) भारत के निर्वाचन आयोग को राष्ट्रीय अथवा क्षेत्रीय दल के रूप में मान्यता दी गई है।

37.(C) बेसिक शिक्षा को वर्धा शिक्षा योजना भी कहते है जिसे गांधी जी ने बतायी थी।

38.(D) उपरोक्त सभी कारणों से मरूस्थलीकरण की प्रक्रिया होती है।

39.(C) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (University grant Commission) की स्थापना सन् 1953 में हुई।

40.(C) सड़कों के निर्माण के लिए वनभूमि का विनाश किया गया है।

41.(C) आई. सी.टी. का सम्बन्ध शेक्षिक तकनीकी से है जिसे Information and Communication technology कहते है।

42.(D) MS-word, MS-Excel, Power point, फोटोशॉप यह सभी सामान्य उद्देश्य के साफ्टवेयर है।

43.(A) कक्षा A के संयुक्त अंक है – $20 \times 10 = 200$

कक्षा B के संयुक्त अंक है – $80 \times 20 = 1600$

कक्षा A व B के दोनों का संयुक्त औसत होगा = कुल अंक $\frac{200+1600}{20+80} = \frac{1800}{100} = 18$

44.(C) वित्त आयोग, राजभाषा आयोग व निर्वाचन आयोग मान्य व संवेधानिक है जबकी योजना आयोग एक संवैधानिक निकाय नहीं है।

45.(D) कम्प्यूटर का उपयोग शैक्षिक तकनीकी मे करते है जिसमें मनोवैज्ञानिक परीक्षण, अनुदेशन क्रिया, निर्देशन प्रक्रिया, निदात्मक प्रक्रिया सम्भव हो।

46.(D) मकर रेखा पर सूर्य रेखाएँ सीधी पड़ती है जिससे ग्लोबल वार्मिंग की सम्भावनाएँ अधिक होती है।

47.(B) लोगों की बढ़ती आकाक्षाएं, निजीकरण व आर्थिक नियोजन हेतु सरकार की भूमिका या उत्तरदायित्व बढ़ा है।

48.(A) रिजर्व बैंक ऑफ इण्डिया द्वारा प्रतिवर्ष, मुद्रा व वित्त पर प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जाता है।

49.(C) बी. आर. मेंहता कमेटी ने सन् 1957 में 'लोकतान्त्रिक विकेन्द्रीकरण' की विचारधारा का प्रसार किया। जिसमें सता का कार्य भार लोकतान्त्रिक रूप से विभिन्न दलों को सोपने को कहा गया।

50.(D) मनुष्य पर्यावरण का ही एक हिस्सा है या उसकी उपज है यह एक व्यापक स्वीकार्य कथन है।

Paper II

1.(A) भारतीय संविधान के भाग 4 में अनुच्छेद 36–51 तक राज्य के नीति–निदेशक तत्वों का उल्लेख किया गया है। अनुच्छेद 40 राज्य को ग्राम पंचायतों के संगठन, उनकी शक्तियों एवं प्राधिकार के सन्दर्भ में निदेशित करता है, ताकि व स्वायत्त शासन की ईकाइयों के रूप में कार्य करने के योग्य बन सकें।

जबकि शिक्षा का अधिकार व उच्चतम न्यायालय में याचिका का अधिकार मूल अधिकार है, और सम्पत्ति का अधिकार सांविधानिक अधिकार है।

2.(A) राज्य सभा द्वारा और उसके उपरान्त नई लोक सभा द्वारा अपनी प्रथम बैठक से 30 दिनों के अंदर इसका अनुमोदन होना आवश्यक है।

उदाहरण– भारतीय संविधान के भाग 18 में अनुच्छेद 352–360 तक आपातकालीन उपबंधों का उल्लेख किया गया है। अनुच्छेद 352 के तहत उद्‌घोषणा राष्ट्रपति जारी करेगा (मंत्री मण्डल द्वारा लिखित में संसूचित किए जाने पर)। संसद के दोनों सदनों द्वारा 30 दिन की अवधि में उसका अनुमोदन किया जाएगा। लेकिन यदि लोक सभा का पुनर्गठन की तारीख से 30 दिन की अवधि में उसके द्वारा भी उसका अनुमोदन आवश्यक है, अन्यथा 30 दिन के पश्चात् वह प्रवर्तन में नहीं रहेगी।

3.(C) यदि विधायिका द्वारा संविधि के निर्माण में अपनी विधायी शक्तियों का सारभूत रूप से (बाह्य रूप से नहीं) विषयवस्तु के सम्बंध में अतिक्रमण किया गया है तो इसे आभासी विधान कहा जाएगा। अधिनियम की उचित परीक्षा से यह स्पष्ट हो जाता है कि अतिक्रमण एक बहाना या छद्म रूप मात्र था। विधायिका के विधायी अधिकार क्षेत्र के अन्तर्गत हो।

4.(C) मूल अधिकार संविधान के भाग 3 में अनुच्छेद 12–35 तक दिये गए हैं, ये अधिकार अप्रतिबंधित व निरपेक्ष अधिकार नहीं है, अपितु लोकहित, नैतिकता, व्यवस्था, जन कल्याण, राष्ट्रहित, लोकनीति, सदाचरण आदि उद्देश्यों हेतु इन अधिकारों पर प्रतिबंध लगाया गया है, ताकि इन अधिकारों के दुरूपयोग को रोका जा सके।

5.(C) अनुच्छेद 20 (2) में उपबंधित है कि कोई व्यक्ति एक ही अपराध के लिए एक बार से अधिक अभियोजित और दण्डित नहीं किया जाएगा। यह उपबंध आग्ल विधि के सिद्धांत ''Nemo debet vis vexari'' पर आधारित है, जिसके अनुसार किसी व्यक्ति को एक ही अपराध के लिए दो बार अभियोजित और दण्डित नहीं किया जा सकता।

6.(C) अधिकार पृच्छा इसका उद्देश्य यह है कि अमुक सार्वजनिक पद को अवैध तौर पर धारण किए हुए व्यक्ति से पूछा जाना कि वह किस आधार पर पद धारण किये हुए है। प्रभावित व्यक्ति या संस्था द्वारा याचिका प्रस्तुत की जा सकती है।

7.(B) 86 वें संशोधन अधिनियम 2002 से अनुच्छेद 21–अ को जोड़ा गया है, जिसके अनुसार ''6 से 14 वर्ष की आयु के सभी बच्चों को निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा उपलब्ध करानी होगी।''

अनुच्छेद 45 (नीति निदेशक तत्व) भी सभी बालकों को निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा (14 वर्ष की आयु तक) प्रदान करने का निदेश देता है। अनुच्छेद 21–अ इसी का परिणाम है।

8.(D) 42 वें संविधान संशोधन द्वारा जोड़े गए मूल कर्तव्यों में प्राकृतिक पर्यावरण, वन, झील, नदी, वन्य जीवों के संरक्षण व सम्वर्धन का दायित्व प्रत्येक नागरिक पर डाला गया है।

42 वें संविधान संशोधन द्वारा ही नीति निदेशक तत्वों में अनुच्छेद 48 (क) जोड़कर पर्यावरण के संरक्षण तथा वन और वन्यजीवों की रक्षा का दायित्व राज्य पर अधिरोक्षित किया गया है।

9.(B) संविधान के अनुच्छेद 5 में नागरिकों के बारे में उल्लेख किया गया है, वे व्यक्ति जो भारत में जन्में हो या जिनके माता–पिता भारत में जन्में हो या संविधान के प्रारंभ से ठीक पहले 5 वर्ष तक जिसका भारत के राज्यक्षेत्र में मामूली तौर पर निवास रहा हो या जिसने नागरिकता बाद में अर्जित कर ली हो का उल्लेख है। लेकिन नागरिक जीवित व्यक्ति ही हो सकता है निगम, विधिक व्यक्ति हो सकता है, लेकिन नागरिक नहीं हो सकता।

10.(B) भारतीय संविधान दुनिया का विशालतम संविधान है, अनेकों संविधानवेत्ताओं ने इसे अलग–अलग प्रकार से परिभाषित किया है। प्रो. व्हीयर ने इसे अर्द्धसंघीय संविधान कहा है। जेनिग्स के अनुसार भारतीय संविधान के आधार पर भारत ऐसा परिसंध है जिसमें केन्द्रीयकरण की शसक्त प्रवृति है। प्रो. ऐलेक्जेन्ड्रोविच ने इसे ''अनोखा परिषेध'' कहा है, क्योंकि इसमें एकात्मक व संघात्मक दोनों के ही लक्षण मौजूद है, जो भारतीय परिस्थितियों के लिए परमावश्यक भी है।

11.(D) प्रो. हार्ट को ब्रिटिश अधिरचनावाद का अग्रणी समकालीन प्रतिनिधि माना जाता है। उन्होंने अपने विधिक सिद्धांत की व्याख्या 'नियमों की व्यवस्था' के रूप में की। हार्ट ने विश्लेषणात्मक अधिरचनावाद के अध्ययन में पुनः रूचि जगा दी। उनके अनुसार विधिशास्त्र के विज्ञान की कुंजी नियमों की व्यवस्था है, प्राथमिक और सहायक नियम दोनों का समेकन विधि के स्वभाव को स्पष्ट करता है।

12.(A) उक्त आलोचना के अनुसार न्यायाधीश विधि का निर्माण करते हैं, वे मात्र पूर्व से उपस्थित व विद्यमान विधि की घोषणा ही नहीं करते। यह सिद्धांत पूर्व निर्णय के सृजनात्मक सिद्धांत के नाम से जाना जाता है। इस सिद्धांत के अनुसार न्यायाधीश अपने निर्णयों के माध्यम से नये नियमों का सृजन या निर्माण करते हैं। इस विधारधारा को मानने वाले प्रमुख विधिशास्त्री है– आस्टिन, हॉलेण्ड, जेथ्रोब्राउन, ग्रे आदि।

13.(D) आस्टिन के अनुसार विधिशास्त्र ''अधिरचित विधि का दर्शन है। उन्हें आंग्ल विधिशास्त्र का जनक कहा जाता है, वे प्रमाणवाद के पिता कहे जाते हैं, आस्टिन, बेंथम के शिष्य है। आस्टिन के अनुसार अधिरचित विधि की तीन विशेषताएं है– यह एक प्रकार का समादेश है, यह राजनीतिक रूप से संप्रभु द्वारा निरूपित या निर्धारित किया जाता है और उसका प्रवर्तन एक अनुशास्ति द्वारा होता है।

14.(B) बेंथम को उपयोगितावाद का जनक कहा जाता है, इनका विधिक दर्शन बहुआयामी था। उनके उपयोगिता के सिद्धांत का तात्पर्य ''अधिक से अधिक लोगों की अधिक से अधिक भलाई से था। उनके अनुसार विधि को सुख और दु:ख की कसौटी पर परखा जाना चाहिए।

15.(D) प्रथा लोगों द्वारा पालन की जाने वाली एक चलन है जिसे न्यायालय कुछ शर्तों के साथ मान्यता देते हैं, ये शर्तें है कि प्रथा या रूढ़ि का–

(1) स्मरणातीत काल से प्रचलन

(2) निरंतरता

(3) शांतिपूर्ण उपभोग

(4) बाध्यकारी शक्ति

(5) निश्चितता

(6) संगतता

(7) युक्तियुक्ता

(8) नैतिकता

(9) संविधियों से अनुरूपता हो

16.(D) एक पूर्व निर्णय का मामला ऐसा दृष्टांत है जिसे उदाहरण या नियम के रुप में पश्चातवर्ती वादों मे लिया जा सकता है या जिसके माध्यम से समान कार्य या समान परिस्थितियों का समर्थन किया जा सकता है, या न्यायोचित ढहराया जा सकता है। ये ऐसे पूर्व विनिश्चय है, जिन्हें न्यायालय सम्मान देते हैं, और पालन करते हैं, क्योंकि वे न्यायिक अधिकरणों द्वारा दिये गए है।

17.(D) स्वामीत्व किसी भौतिक वस्तु का हो सकता है, या एक अधिकार का हो सकता है। जब स्वामीत्व की विषय वस्तु भौतिक वस्तु जैसे मकान, घर, जमीन, पाल आदि होते हैं, तो स्वामीत्व मूर्त होता है और

जब स्वामीत्व की विषयवस्तु अधिकार होता है, जैसे– प्रतिलिप्याधिकार, व्यापार चिन्ह, पेटेन्ट, गुडविल आदि वहां स्वामीत्व अमूर्त होता है। मूर्त सम्पत्ति चल या अचल हो सकती है।

18.(C) ऐसा कब्जा जो दूसरे के माध्यम से प्राप्त होता है, मध्यवर्ती कब्जा कहलाता है, इसे अप्रत्यक्ष कब्जा भी कहते हैं, जबकि तात्कालिक कब्जे में वस्तु पर प्रत्यक्ष एवं वास्तविक नियंत्रण निहित होता है। किसी भौतिक वस्तु पर कब्जे को मूर्त कब्जा कहा जाता है, और किसी अधिकार पर कब्जे को अमूर्त कब्जा कहते हैं, अर्थात् ऐसी वस्तु जिन्हें हम देख या छू नहीं सकते।

19.(A) स्टार्क, ओपेन हास के अनुसार अन्तर्राष्ट्रीय विधि वास्तव में विधि है। जबकि अस्टिन, हॉब्स आदि के अनुसार अर्न्तराष्ट्रीय विधि, विधि नहीं है, क्योंकि इसमें समादेश का और दण्ड का अभाव है, लेकिन अन्तर्राष्ट्रीय विधि, विधि है क्योंकि अभ्यास में निरन्तर इसे विधि की मान्यता प्रदान की जाती है।

20.(D) अनुच्छेद 38 के अनुसार

प्राथमिक स्त्रोत–(1) अन्तर्राष्ट्रीय अभि समय

(2) अन्तर्राष्ट्रीय प्रथाएं

(3) सभ्य राष्ट्रों द्वारा स्वीकृत विधि के सामान्य सिद्धांत

द्वितियक स्त्रोत–(1) न्यायिक निर्णय

(2) न्यायशास्त्रियों एवं भाष्यकारों की रचनाएं

(3) अन्तर्राष्ट्रीय संस्थाओं के अंगों के निर्णय

21.(D) संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुच्छेद 7 के अनुसार यह संयुक्त राष्ट्र का प्रमुख अंग है। सुरक्षा परिषद् के कार्य एवं शक्तियां निम्न है–

(1) अन्तर्राष्ट्रीय शांति एवं सुरक्षा को बनाए रखना

(2) निर्वाचन सम्बंधीत कार्य

(3) पर्यवेक्षण कार्य

(4) संवैधानिक कार्य

22.(A) मान्यता के बारे में 2 प्रमुख मत हैं–

(1) निर्माणात्मक

(2) उद्‌घोषणात्मक मत

निर्माणात्मक मत के अनुसार मान्यता द्वारा ही राज्य राष्ट्रत्व को प्राप्त करता है, तथा उसे अन्तर्राष्ट्रीय अधिकार प्राप्त होते है, जबकि उद्‌घोषणात्मक मत के अनुसार राज्य की सरकार को मान्यता पहले से प्राप्त होती है, अन्य राष्ट्रों द्वारा केवल उसकी उद्‌घोषणा की जाती है।

23.(D) अन्तर्राष्ट्रीय विवादों के निपटारे के दो प्रकार हैं–

(1) निपटारे का शांतिपूर्ण प्रकार

(2) निपटारे का बाध्यकारी प्रकार

अन्तर्राष्ट्रीय विवादों के निपटारे के शांतिपूर्ण ढंग निम्नलिखित है–

(1) माध्यस्थम

(2) न्यायिक निर्णय

(3) वार्ता

(4) सत्प्रयत्न

(5) माध्यस्थता

(6) समझौता

(7) संयुक्त राष्ट्र के अन्तर्गत झगड़ों का निपटारा

24.(B) न्याय का अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय संयुक्त राष्ट्र संघ का प्रमुख न्यायिक अंग है। अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय में 15 न्यायाधीश होते है, जिनका चुनाव महासभा तथा सुरक्षा परिषद् करती है। न्यायाधीशों का कार्यकाल 9 वर्ष के लिए होता है, तथा अपने कार्यकाल की समाप्ति के बाद पुनः निर्वाचित किए जा सकते हैं।

25.(C) 24 अक्टूबर 1945 को संयुक्त राष्ट्र संघ औपचारिक रूप से अस्तित्व में आया। संयुक्त राष्ट्र का जन्म विनाशकारी युद्ध के परिणामस्वरूप हुआ है, तथा मौलिक मानवीय अधिकारों की मान्यता, सभी राज्यों की प्रभुत्वसम्पन्न समानता तथा अगणित लोगों की बेहतर आर्थिक तथा सामाजिक दशाओं को सुधारने के आधार पर स्थायी शांति स्थापित करने की आशा की गई है।

26.(C) हिन्दू विवाह अधिनियम 1955 की धारा 11 में शून्य विवाह के बारे में प्रावधान किया गया है। शून्य विवाह प्रारंभ से ही शून्य होता है, जैसे कि कोई विवाह हुआ ही नहीं। ऐसे विवाह के लिए न्यायालय की डिग्री की आवश्यकता नहीं होती। यदि न्यायालय की डिक्री के बिना भी कोई पक्षकार दूसरा विवाह कर लेते हैं, तो भी द्वि–विवाह के दोषी नहीं होंगे।

27.(B) जब पति या पत्नी में से किसी ने युक्तियुक्त प्रतिहेतु के बिना दूसरे से अपना साहचर्य प्रत्याहृत कर लिया है, तब पीड़ित पक्षकार दाम्पत्य अधिकारों के प्रत्यास्थापन की याचिका जिला न्यायालय/ पारिवारिक न्यायालय के समक्ष संस्थित कर सकेगा। न्यायालय संतुष्ट हो जाने पर कि आवेदन मंजूर करने के वैध आधार है, दाम्पत्य अधिकारों के प्रत्यास्थापन के लिए आज्ञाप्ति प्रदान कर सकेगा।

28.(D) मुस्लिम विधि के दो प्रमुख स्त्रोत हैं–

मुख्य स्त्रोत – (1) कुरान, (2) अहाडिस : सुन्नत (3) इज्मा, (4) कियास

गौण स्त्रोत– (1) रिवाज व प्रथाएं, (2) विवाधय, (3) न्यायिक निर्णय, (4) साम्या, न्याय तथा शुद्ध अन्तःकरण के सिद्धांत।

29.(C) तलाक दो प्रकार के हो सकते हैं–

(1) तलाक–उल–सुन्नत

(2) तलाक–बिद्दत

(1) सुन्नत तलाक को पुनः दो वर्गो में बांटा जा सकता है–

(1) तलाक–ए–अहसन

(2) तलाक–ए–हसन

(2) तलाक–ए–हसन अर्थात् अति उत्तम तलाक।

इसके अन्तर्गत एक ही बार में तलाके के शब्द का उच्चारण स्त्री की तुहर की अवस्था में किया जाता है, इद्दत व तुहर की अवस्था में संभोग वर्जित होता है।

30.(D) ऐसे तलाक में एक ही समय में तीन बार उच्चारण (जैसे– में तुन्में तलाक देता हूं मैं तुम्हें तलाक देता हूं, मैं तुम्हें तलाक देता हूं) किया जाना चाहिए ऐसे तलाक को बुरा तलाक कहा जाता है, क्योंकि

यह अप्रतिसंहरणीय होता है, लेकिन अप्रतिसंहरणीय होने का आशय स्पष्ट होना चाहिए। पैगम्बर साहब ने इस तलाक का विरोध किया है, वर्तमान में भी यह तलाक कम ही प्रचलित है।

31.(D) संविदा करने की सक्षमता को भारतीय संविदा अधिनियम 1872 की धारा 11 में दर्शित किया गया है। जिसके अनुसार वह व्यक्ति जो वयस्क हो, स्वस्थचित हो और विधि द्वारा संविदा करने के लिए अयोग्य न हो। वयस्क वह है जिसने 18 वर्ष की आयु प्राप्त कर ली हो या यदि न्यायालय द्वारा उसके लिए संरक्षक नियुक्त किया गया है तो जब कि उसने 21 वर्ष की आयु प्राप्त कर ली हो।

32.(C) भारतीय संविदा अधिनियम 1872 की धारा 2 (ख) में वचन को परिभाषित किया गया है, जिसके अनुसार प्रस्तावना प्रतिगृहित हो जाने पर वचन कही जाती है।

जबकि हर एक वचन और वचनों का समुह, जो एक–दूसरे के लिए प्रतिफल हो 'करार' कहलाता है। और विधित प्रवर्तनीय करार संविदा है।

33.(B) भारतीय संविदा अधिनियम 1872 की धारा 16 में असम्यक असर को परिभाषित किया गया है। जब पक्षकारों के मध्य सम्बंध ऐसे हो कि एक पक्षकार दूसरे की इच्छा को अधिशासित करने की स्थिति में हो और वह अपनी इस स्थिति का प्रयोग दूसरे पक्षकार से अनुचित लाभ अभिप्राप्त करने के लिए करता है, तो संविदा असम्यक असर द्वारा उत्प्रेरित कही जाती है। कथित पक्षकार धारा 19–क में इस प्रकार की संविदा को अपास्त कराने हेतु आवेदन कर सकता है।

34.(D) जब करार पक्षकारों की स्वतंत्र सहमति से हो तो ही एक संविदा बनता है। जब पक्षकार किसी एक बात के बारे में एक ही भाव से सहमत हो तो इसे सम्मति कहा जाता है (धारा 13)। जब संविदा प्रपीडन, असम्यक असर, कपट, दुर्व्यपदेशन, भूल से कारित हो तो वह स्वतंत्र सहमति से की गई संविदा नहीं होती (धारा 14)। धारा 19 के तहत ऐसी संविदा पीड़ित या व्यथित पक्षकार के विकल्प पर शून्यकरणीय होगी।

35.(D) भारतीय संविदा अधिनियम 1872 की धारा 31 के अनुसार, समाश्रित संविदा, वह संविदा है जो ऐसी संविदा के सम्पार्श्विक किसी घटना के घटित होने या न होने पर ही किसी बात को करने या न करने के लिए हो।

समाश्रित संविदा के आवश्यक तत्व–

(1) घटना अनिश्चित प्रकृति की हो

(2) संविदा की पालना किसी घटना के घटित होने या न होने पर निर्भर हो

(3) घटना संविदा से सम्पार्श्विक हो।

36.(D) आपराधिक विधि का यह महत्वपूर्ण सूत्र है, यदि किसी व्यक्ति का अपराध करने का न तो आशय हो और न ही उसे इस बात का ज्ञान हो कि अपराध हो सकता है और उसके द्वारा किए गए कार्य से अपराध का गठन नहीं होता, क्योंकि उक्त कार्य में दुराशय का अभाव है।

37.(D) अपकृत्य विधि कई प्रतिरक्षाओं को मान्यता देती है, जिनमें से एक है– ''सहमति का अभाव'' अर्थात स्वेच्छा से उठाई गई क्षति से कोई हानि नहीं होती है, तथा उसके विरूद्ध कोई कार्यवाही नहीं की जा सकती। लेकिन सहमति वैद्य कार्य के लिए होनी चाहिए तथा जिस कार्य के लिए सहमति दी जा रही है, उसका ज्ञान होना चाहिए।

38.(D) उपरोक्त सभी कार्य अपकृत्य भी है और अपराध भी। इन कार्यों के लिए राज्य द्वारा अभियुक्त के विरूद्ध दाण्डिक अभियोजन संस्थित किया जा सकता है, ताकि अभियुक्त को उसके कृत्य का दण्ड मिल सके और व्यथित व्यक्ति को अपनी क्षति की क्षतिपूर्ति हेतु सिविल न्यायालय में दीवानी दावा संस्थित करने का भी अधिकार है अतः एक ही कार्य के लिए सिविल व दाण्डिक दोनों प्रकार की कार्यवाहियां चालू रह सकती है।

39.(A) अंशदायी उपेक्षा का अर्थ है कि जब कार्य करते समय प्रतिवादी के साथ–साथ वादी का भी उस दुर्घना में योगदान हो तो ऐसी उपेक्षा अंशदायी उपेक्षा कहलाती है। इस प्रकार के मामलों में प्रतिकर का निर्धारण मामले में प्रतिवादी की उपेक्षा के अनुपात के अनुसार होता है। यदि वादी व प्रतिवादी की उपेक्षा मामले में लगभग बराबर हो तो न्यायालय क्षतिपूर्ति दिलाए जाने से मना कर सकता है, अतः यह वादी के विरूद्ध अच्छी प्रतिरक्षा है।

40.(C) दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 2 (सी) में संज्ञेय अपराध को परिभाषित किया गया है, जिसके अनुसार संज्ञेय अपराध वह अपराध है, जिसमें पुलिस अधिकारी को अभियुक्त को वारण्ट के बिना गिरफ्तार कर सकता है और अन्वेषण भी कर सकता है जबकि असंज्ञेय अपराध (धारा 2 (L)) के मामलों में पुलिस अधिकारी मजिस्ट्रेट के आदेश या जारी वारण्ट के बिना गिरफ्तारी और अन्वेषण नहीं कर सकता।

41.(A) संहिता की धारा 77 दर्शित करती है कि यदि न्यायिकता कार्य करते हुए न्यायालय का न्यायाधीश तथ्य की भूल के कारण कोई गलत कार्य कर देता है तो उसका आपराधिक दायित्व नहीं होगा लेकिन कार्य सद्भावना पूर्वक तथा युक्तियुक्त विश्वास के साथ किया जाना चाहिए।

42.(D) तैयारी अपराध का दूसरा चरण है, सामान्यतया किसी अपराध की तैयारी करना अपराध नहीं है, क्योंकि अपराध का होना तैयारी से स्पष्ट नहीं होता तैयारी तभी अपराध होती है जब दण्ड संहिता द्वारा इसे स्पष्टतः अपराध घोषित किया गया हो।

43.(D) अपराध के निम्नांकित 4 चरण है–

(1) आशय, (2) तैयारी, (3) प्रयत्न, (4) कार्य

अतः प्रयत्न तैयारी के बाद की अवस्था है, जिसमें कार्य किया जा चुका होता है, और वह कर्ता के नियंत्रण से बाहर चला जाता है, अब कार्य को रोका नहीं जा सकता इसीलिए प्रयत्न दायित्व उत्पन्न करता है लेकिन प्रयत्न संभव होना चाहिए। प्रयत्न के लिए दण्ड प्रथकतः किया गया है तो उसे उस दण्ड से दण्डित किया जाएगा अन्यथा धारा 511 के अनुसार अपराध के लिए वर्णित दण्ड का आधा दण्ड अपराधी को दिया जाएगा।

44.(A) धारा 463 भारतीय दण्ड संहिता 1860 में कूट रचना को परिभाषित किया गया है कि जो कोई किसी मिथ्या दस्तावेज या इलेक्ट्रोनिक रिकोर्ड अथवा दस्तावेज के किसी भाग को इस आशय से रचता है कि लोक या व्यक्ति का नुकसान या क्षति कारित हो, दावे/हक का समर्थन किया जाए, सम्पत्ति अलग करे, अभिव्यक्त या विवक्षित संविदा करे या कपट करे तो वह कूट रचना करता है।

45.(B) भारतीय दण्ड संहिता 1860 की धारा 52 में सद्भावनापूर्वक शब्द को स्पष्टीकृत किया गया है, जिसके अनुसार ''कोई बात सद्भावनापूर्वक की गई या विश्वास की गई नहीं कही जाती जो सम्यक् सर्तकता और ध्यान के बिना की गई हो या विश्वास की गई हो। अर्थात् सम्यक सतर्कता व ध्यान से किये गए कार्य से आपराधिक दायित्व उत्पन्न नहीं होता।

46.(B) धारा 53 में निम्नांकित दण्ड उल्लिखित है–

(1) मृत्युदण्ड

(2) आजीवन कारावास

(3) कठिन, कठोर या सश्रम कारावास

(4) सादा / साधारण कारावास

(5) सम्पत्ति का समपहरण, एवं

(6) जुर्माना

47.(D) औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 की धारा 2 (ञ) के अनुसार उद्योग को निम्न प्रकार परिभाषित किया गया है–

ऐसा सुव्यवस्थित क्रियाकलाप जो नियोजक और उसके कर्मकारों द्वारा उनके बीच सहयोग से किया जा रहा हो जो मानवीय आवश्यकताओं और इच्छाओं की पूर्ति के लिए माल के उत्पादन, आपूर्ति, वितरण या सेवाओं के लिए हो।

48.(D) औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 की धारा 2 (ट) में औद्योगिक विवाद को निम्नानुसार परिभाषित किया गया है–

''औद्योगिक विवाद'' से नियोजकों और नियोजकों के बीच, नियोजकों और कर्मकारों के बीच, कर्मकारों और कर्मकारों के बीच का कोई ऐसा विवाद अभिप्रेत है, जो किसी व्यक्ति के नियोजन या अनियोजन या नियोजन के निर्बन्धनों या श्रम की शर्तों से संसक्त है।

49.(A) औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 की धारा 3 के अन्तर्गत उद्योगों में उत्पन्न विवाद के लिए कार्य समिति के गठन का प्रावधान है। धारा 4 के अधीन सुलह अधिकारी भी ऐसे विवादों का निस्तारण कर सकेगा जिसकी नियुक्ति समुचित सरकार द्वारा की जाएगी। धारा 5 में सुलह बोर्ड का गठनन तथा धारा 6 में जांच न्यायालय के गठन का प्रावधान भी विवादों के निस्तारण हेतु किया गया है, जिनकी स्थापना की समुचित सरकार करेगी।

50.(B) 25 (ग) के अनुसार प्रत्येक कर्मकार जिसका नाम औद्योगिक संस्थान की उपस्थिति पत्रिका में दर्ज है और जो नियोजक के पास एक वर्ष या इससे अधिक समय से कार्यरत् है, यदि अस्थायी रूप से हटाया जाता है, चाहे लगातार हो या अन्तरालों में हो तो ऐसी छुट्टी को जबरी छुट्टी कहते है, और इसका नियोजकों को प्रतिकर देना होगा (साप्ताहिक अवकाश के अलावा)।

धारा 25 (च) – छटनी के आधार

धारा 25 (छ) – छटनी की संरक्षण की शर्ते

धारा 25 (ण) – बंद प्रक्रिया संबंधी प्रावधानों का वर्णन है।

Paper III

1.(C) अनुच्छेद 12 (राज्य) → भारत की (i) सरकार (ii) संसद (iii) प्रत्येक राज्य के विधान मण्डल (iv) भारत के क्षेत्र के भीतर या भारत सरकार के नियंत्रण के अधीन सभी स्थानीय प्राधिकारी और अन्य प्राधिकारी सम्मिलित है। अन्य प्राधिकारी में वे सब प्राधिकारी आते हैं जो संविधान या किसी संविधि द्वारा स्थापित किये जाते हैं और जिन्हे विधि, उपविधि आदि निर्मित करने की शक्ति प्राप्त है।

2.(B) भारत में नागरिकों को अब सम्पत्ति का मूल अधिकार प्राप्त नहीं है क्योंकि 44 वे संविधान अधिनियम 1978 द्वारा इसे अनुच्छेद 31 से निकाल कर अनुच्छेद 300- क अन्तःस्थापित कर दिया गया है, अब सम्पत्ति का अधिकार संवैधानिक अधिकार है,मूल अधिकार नही,अर्थात इसके लिए अनुच्छेद 32 के अधीन भारत के उच्चतम न्यायालय में रिट/याचिका दायर नहीं की जा सकती।

3.(C) आपात की उद्घोषणा प्रवर्तन में होने पर अनुच्छेद 19 स्वतः निलम्बित हो जाता है राष्ट्रपति उद्घोषणा करके अन्य मूल अधिकारों को न्यायालय में समावेदन द्वारा प्रवर्तित कराने के अधिकार जब तक उद्घोषणा प्रवृत हो निलम्बित कर सकता है, लेकिन अनुच्छेद 20 और 21 का इस प्रकार निलम्बन नहीं होगा।

4.(B) उपरोक्त संशोधन द्वारा संविधान के भाग 4–क के अनुच्छेद 51–क में एक मूल कर्तव्य (ट) जोड़कर 10 मूल कर्तव्यों को 11 कर्तव्य कर दिया है 51–क(ट) जो माता–पिता या संरक्षक है या जैसी भी स्थिति हो, 16 से 14 वर्ष की आयु के बीच का प्रतिपाल्य है शिक्षा के लिए व्यवस्था करने का अवसर दिलाएँ।

5.(B) उपरोक्त मामले में संविधान के 24 वें संशोधन अधिनिमय की वैधता को चुनौती दी गई तथा संसद के संविधान संशोधन की शक्ति को अनुच्छेद 368 में दी गई है उसकी सीमा पर विचार किया गया। उच्चतम न्यायालय ने 7.6 के बहुमत से निर्णय किया कि संसद की सविधान संशोधन की शक्ति असीमित नहीं है संसद संशोधन के नाम पर संविधान का 'मूल ढ़ाँचा',/'आधारभूत ढाँचा' नष्ट नहीं कर सकती।

6.(D) भारत में ब्रिटेन की भाँति संसदीय शासन प्रणाली को अपनाया गया है, अर्थात् राष्ट्रपति नाममात्र का प्रधान होता है, वास्तविक शक्तियाँ मंत्रीमण्डल को दी गई है। अनुच्छेद 52 के अनुसार भारत का एक

राष्ट्रपति होगा। अनुच्छेद 53 के अनुसार, संघ की कार्यपालिका शक्ति राष्ट्रपति में निहित होगी और वह उसका प्रयोग इस संविधान के अनुसार स्वयं या अपने अधीनस्थ अधिकारियों के द्वारा करेगा।

7.(D) अनुच्छेद 93 के अनुसार लोकसभा : यथाशक्य शीघ्र, अपने सदस्यों में से अध्यक्ष और उपाध्यक्ष का चुनाव करेगी और जब कभी भी अध्यक्ष, उपाध्यक्ष का पद रिक्त हो, किसी अन्य सदस्य को इन पदों पर नियुक्त करेगी। जब धन विधेयक अनुच्छेद 109 के अधीन राज्य सभा को पारेषित हो या अनुच्छेद के 111 अधीन अनुमति के लिए राष्ट्रपति के समक्ष प्रस्तुत हो तब प्रत्येक धन विधेयक पर लोक सभा के अध्यक्ष के हस्ताक्षर सहित यह प्रमाण पृष्ठांकित किया जाएगा कि वह धन विधेयक है।

8.(D) अनुच्छेद 124 के अन्तर्गत उच्चतम न्यायालय के गठन का प्रावधान है उच्चतम न्यायालय को अनुच्छेद 131 मैं राज्य व केन्द्र के बीच के विवादों को सुलझाने हेतू मूल क्षेत्राधिकार उपलब्ध है, अनुच्छेद 32 के अन्तर्गत मूल अधिकारों के सम्बन्ध में भी उसे मूल क्षेत्राधिकार प्राप्त है। S.C. को अपीलीय अधिकारिता अनुच्छेद 132, 133, 134 व 136 में प्रदान की गई है, जबकि अनुच्छेद 143 के अन्तर्गत राष्ट्रपति को शक्ति है कि विधि या तथ्य के किसी प्रश्न पर उच्चतम न्यायालय से उसकी राय माँग सकें।

9.(A) किसी भी संविधान का सम्पूर्ण अध्ययन उसकी उद्देशिका के बिना अधूरा है। यह उद्देशिका ही है जो संविधान को प्रारम्भ करती है अतः उद्देशिका का अपनपा महत्व है। यह कहना अतिश्योक्ति नहीं होगी कि भारतीय संविधान की उद्देशिका उसकी आत्मा और मैरूदण्ड है। उद्देशिका संविधान के सभी उपबंधों में जान डालती है।

10.(A) भारत के संविधान को दुनिया का विशाालतम संविधान कहा गया है इसकी अनेक विशेषाताएं है, जैसे केन्द्र व राज्यों के मध्य शक्तियों का विभाजन वयस्क मताधिकार, मूल अधिकार, संसठीय शासन प्रणाली, निवारक निरोध विधियां आदि लेकिन संविधान में एकल नागरिकता का प्रावधान है अमेरिका की भाँति राज्यों व केन्द्र की प्रथम नागरिकता का प्रावधान नहीं है। प्रत्येक नागरिक, भारत का नागरिक होगा, राज्यों की पृथक से नागरिकता नहीं है।

11.(C) संविधान के अनुच्छेद 29(2) में उपबंधित किया गया है कि राज्य द्वारा पोषित या राज्य विधि से सहायता पाने वाले किसी शिक्षा संस्था में प्रवेश से किसी भी नागरिक को केवल धर्म, मूलवंश, जाति, भाषा या इनमें से किसी भी आधार पर वंचित नहीं किया जाएगा।

12.(A) रोमेश व्यापार v मद्रास राज्य AIR. 1950. S.R. 124 में उपबंधित किया गया है कि अनुच्छेद 19(1) (क) में उपबंधित भाषण एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता में प्रेस की स्वतंत्रता सम्मिलित है। लेकिन इस स्वतंत्रता पर अनुच्छेद (2) से (6) तक प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं।

13.(B) अनुच्छेद 14 के अनुसार, राज्य भारत के राज्य क्षेत्र में किसी भी व्यक्ति को विधि के समक्ष समता से या विधियों के समान संरक्षण से वंचित नहीं करेगा। विधिका शासन से तात्पर्य है कि विधि के समक्ष सभी व्यक्ति समान है और सभी व्यक्तियों को कानून द्वारा समान सुरक्षा प्राप्त है, सभी व्यक्ति देश की साधारण विधियों व न्यायालयों के अधीन है, कानून ही सर्वोच्च है तथा मानमानेपन का अभाव है। अर्थात् कोई भी व्यक्ति कानून से उपर नहीं है चाहे वह किसी भी अवस्था या पद पर हो।

14.(A) एक पूर्व निर्णय का मूल्यांकन करने में यह एक अतिमहत्वपूर्ण कारक है विनिश्चय आधार (रेसियो डेसिडेन्डी) निर्णय का 'विधिक कारण' होता जो न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत वाद के तथ्यों पर आधारित होता है निर्णय का यही भाग 'पूर्व निर्णय' बनाता है और बाध्यकारी प्रकृति रखता है।

15.(B) विधि का निर्णय जो विनिश्चय आधार का अंग नहीं है इतरोक्ति कहलाता है, वह बाध्यकारी प्रभाव नहीं रखता लेकिन महत्वपूर्ण होते हैं,न केवल यह विधि को तर्कसंगत बनाने में सहायक है अपितु वे उन समस्याओं के समाधान के लिए सुझाव के रूप में काम करते हैं जिन पर अभी तक न्यायालयों ने निर्णय नहीं दिये है।

16.(A) रूढ़िया विधि का भाग तब ही बन सकती है जब वे युक्तियुक्त, नैतिक, प्राचीन, निरंतर तथा अधिनियमित विधि सें संगत हो यदि किसी रूढ़ि में उक्त गुण नहीं है तो वह विधि का रूप में नहीं ले सकती। यदि रूढ़ि लोकनीति के विरूद्ध है तो उसे अवैध घोषित किया जा सकता है, सती प्रथा, बालिका वध, भ्रूण हत्या, दासता जैसे प्रथाओं को विधियां बनाकर समाप्त किया जा रहा है क्योंकि यें रूढ़िया अनैतिक व लोकनीति के विरूद्ध है।

17.(D) निहित स्वामित्व वह स्वामित्व है जिसमें स्वामी का हक पूर्ण हो चुका है, अर्थात् सम्पत्ति अबाधित रूप से स्वामित्व में होती है। जबकि समाश्रित का हक अपूर्ण रहता है तथा सशर्त होता है आरोपित शर्त के पूर्ण होने पर यह भी पूर्ण या निहित हो जाता है।

18.(C) स्वामित्व एक विषय वस्तु पर समग्र नियंत्रण है। आस्टिन के अनुसार स्वामित्व का तात्पर्य अधिकार से है जो प्रत्येक ऐसे व्यक्ति के विरूद्ध है जो वस्तु में उपयोग की दृष्टि से अनिश्चित व्ययन की दृष्टि से अनिर्बन्धित अवधि की दृष्टि से अीमित अधिकार प्रदान करने वाली विधि के अधीन है।

19.(B) जॉज आस्टिन विश्लेषणात्मक विचारधारा के प्रणेता है उनके अनुसार ''विधि उन नियमों का समुह है जो राजनीतिक रूप से श्रेष्ठ प्रकार के मनुष्यों द्वारा राजनैतिक रूप में अधीनस्थ प्रकार के मनुष्यों के लिए बनाए गए है'' विधि की यह परिभाषा देने वाले विधिवेत्ता जॉन आस्टिन है।

20.(A) केल्सन के अनुसार निधिशास्त्र के अध्ययन का एकमात्र उद्देश्य मानकों जो विधि द्वारा स्थापित किये जाते है, का अध्ययन करना है। इनके अनुसार विधि मानकों की संकल्पना है सम्प्रभु का समादेश नहीं।

21.(B) मान्यता दो प्रमुख प्रकार की होती है–

(i) निर्माणात्मक– मान्यता द्वारा ही राज्य राष्ट्रत्व को प्राप्त करता है

(ii) उद्घोषणात्मक– राज्य सरकार की सत्ता मान्यता से पहले से रहती है। किसी राज्य को मान्यता तभी प्रदान की जाती है जब उसमें राष्ट्रत्व के आवश्यक तत्व मौजूद होते हैं तथा इस मान्यता द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय समुदाय यह निर्णय देता लेता है कि वह राज्य अन्तर्राष्ट्रीय विधि के अन्तर्गत अपने दायित्वों को पूरा करने में सक्षम है।

22.(D) आर्थिक तथा सामाजिक परिषद् में 54 सदस्य होते है, जिनका निर्वाचन महासभा द्वारा होता है, परिषद् को अन्तर्राष्ट्रीय, आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृति, शैक्षिक, स्वास्थ्य तथा सम्बन्धित मामलों पर अध्ययन कर सकती है। यह सबके मानवीय अधिकारों तथा भौतिक स्वतंत्रताओं के आदर तथा लागू करने की संस्तुति दे सकती है। मानवाधिकार के लिए आयोग बनाने आदि की शक्ति भी आर्थिक व सामाजिक परिषद् को प्रदान की गई है।

23.(C) अन्तर्राष्ट्रीय विवाचन या माध्यमस्थम का उद्देश्य राज्यों के मध्य मतभेदों का निस्तारण अपने द्वारा चुने गए गए न्यायाधीशों द्वारा विधि सम्मत सम्मान के आधार पर कहना है। विवाचन का स्थायी न्यायालय नामों का एक पैनल है जिसमे से 3 या 4 सदस्यों को विवाचक बना दिया जाता है।

24.(D) शांतिपूर्ण ढंग से अन्तर्राष्ट्रीय झगड़ों का निपटारा न हो पाने की स्थिति में निम्नलिखित बाध्यकारी ढंगों से झगड़ों का निपटारा किया जा सकता है जो निम्न है–

(1) प्रतिकार (2) बलपूर्वक प्रतिकार
(3) व्यापारा प्रतिबंध (घाटबंदी) (4) शांतिपूर्ण नाकाबंदी
(5) हस्तक्षेप (6) संयुक्त राष्ट्र के प्रावधानों के अनुसरण में कार्य

25.(A) शांतिपूर्ण तरीके जिनसे अन्तर्राष्ट्रीय विवादों का निस्तारण किया जा सके, निम्न है–
(1) माध्यस्थम (2) न्यायिक निर्णय (न्याय का अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय)
(3) वार्ता (4) सत्प्रयत्न
(5) मध्यस्थता (6) समझौता
(7) संयुक्त राष्ट्र के अन्तर्गत झगड़ों का निपटारा

26.(D) हिन्दू विवाह अधिनियम 1955 की धारा 12 में उपबंधित है कि जब विवाह धारा 5(ii) में विनिर्दिष्ट शर्तों के उल्लंघन में है अर्थात् किसी पक्षकार की विक्रतचित्तता, विकार, उन्तत्तता के कारण हो या उसे सिरगी के दौरे बार–बार पड़ते हो तो उनके मध्य अनुष्ठापित विवाह शून्यकरणीय होगा।

27.(A) धारा 26 के अनुसार, अधिनियम के अधीन किसी कार्यवाही में न्यायालय अवयस्क सन्तति की अभिरक्षा, भरण पोषण और शिखा के बारे में जहाँ तक संभव हो, उसकी इच्छा में संगत, समय समय पर ऐसे अन्तिम आदेश दे सकेगा और आज्ञप्ति में ऐसे उपबन्ध कर सकेगा जो वह न्यायासंगत और उचित समझे।

28.(B) धारा 14 के अनुसार– धारा 13 के अधीन दिए गए आधारों पर विवाह विच्छेद की याचिका तथा धारा 13- ख के अधीन पारस्परिक सम्मति से विवाह विच्छेद की याचिका विवाह के एक वर्ष के भीतर प्रस्तुत नहीं कि जाएगी लेकिन यदि साथ रहना अत्यधिक दूभर हो गया हो, या जीवन को संकट उत्पन्न हो गया हो तो एक वर्ष के भीतर भी याचिका दायर की जा सकेगी।

29.(D) हिन्दू दत्तक तथा भरण पोषण अधिनियम 1956 की धारा 6 के अनुसार कोई दत्तक विधिमान्य नहीं हो जब तक कि–
(1) दत्तक लेने वाला व्यक्ति दत्तक लेने की सामर्थ्य न रखता हो,
(2) दत्तक लेने वाला व्यक्ति दत्तक देने की सामर्थ्य न रखता हो,
(3) दत्तक व्यक्ति स्वयं दत्तक में लिए जाने के योग्य न हों और
(4) दत्तक इस आध्याय में वर्णित अन्य शर्तो के अनुवर्तन में न किया गया हों।

30.(C) अधिनियम की धारा 7 में दत्तक लेने की सामर्थ्य का वर्णन किया गया है पुरूष तथा स्त्री दोनो ही दत्तक लेने में समर्थ है। अधिनिमय की धारा 14 में दत्तक माता के अवधारण के बारे में प्रावधान किया गया है। यदि हिन्दू जिसकी पत्नी जीवित है, दत्तक लेता है तो वह उसकी दत्तक माता समझी जाएगी। यदि एक से अधिक पत्नियाँ हो तो सबसे बड़ी पत्नी (पूर्व विवाहिता) दत्तम माता होगी तथा अन्य सौतेली माता समझी जागएी।

31.(C) परिवार का सबसे वरिष्ठ पुरूष संयुक्त हिन्दू परिवार का कर्ता होता है, उसे परिवार के लिए सम्पत्ति आर्जित करने, व्ययन करने अन्य सभी संव्यवहार करने का अधिकार होता है, सबकी और से न्यायालय में वाद दायर करने तथा प्रतिरक्षा करने का भी अधिकार होता है यदि परिवार का वरिष्ठ सदस्य अयोग्य हो तो सब सदस्यों की सहमति से किसी अन्य पुरूष सदस्य को कर्ता–खानदान बनाया जा सकता।

32.(D) अधिनियम की धारा 12 में उपबंधित है कि विवाह शून्यकरणीय निम्न अवस्थाओं में होगा–

(A) जबकि प्रत्यर्थी की नपुसंकता के कारण विवाहोत्तरा संभाग नहीं हुआ हो

(B) जबकि विवाह धारा 5(ii) की शर्तों के उल्लंघन में हुआ हो अर्थात् विकृत चित्रता उन्मत्तता व मिर्गी के दोरे प्रत्यर्थी के होते हैं।

(C) यदि याचिका दाता की सम्मत्ति बल या कर्मकाण्ड की प्रकृति या प्रत्यर्थी से सम्बन्धित किसी तात्विक तथ्य के बारे में कपट द्वारा अभिप्राप्त की गई थी,

(D) प्रत्युत्तरदात्री विवाह के समय याचिका दाता से भिन्न किसी व्यक्ति द्वारा गर्भवती थी शून्यकरणीय होगा और अकृतता की आज्ञप्ति द्वारा अकृत किया जा सकेगा।

33.(C) धारा 13(1) में पति व पत्नी दोनो को और धारा 13(2) में केवल पत्नी को उनमें उपबंधित आधारों पर विवाह विच्छेद व न्यायिक पृथककरण की अज्ञाप्ति प्राप्त करने हेतु अर्जी पेश करने का अधिकार किया गया है उसमें धारा 13(1) (1-5) में क्रूरता को भी आधार बनाया गया है यदि प्रत्यर्थी विवाह के अनुष्ठापन के पश्चात् प्रार्थी के साथ क्रूरता का बर्ताव करता है तो इस आधार पर न्यायालय में याचिका दायर की जा सकती है।

34.(A) अधिनियम की धारा 15 में दर्शित है कि यदि विवाह न्यायालय की आज्ञप्ति द्वारा भंग कर दिया गया है और या तो आज्ञाप्ति के खिलाफ अपील करने का कोई अधिकार नहीं हैं या अपील करने के समय

की समाप्ति अपील पेश किए बिना हो गई है या अपील की गई है किंन्तु खारिज कर दी गई है तब ही विवाह का कोई पक्षकार पुनः विवाह कर सकेगा।

35.(C) न्यायालय मामले की परिस्थितियों के अनुसार मामले के किसी भीा पक्षकार को धारा 24 के अन्तर्गत वादकालीन भरण पोषण और कार्यवाहियों के व्यय तथा धारा 25 के अन्तर्गत स्थायी निर्वाह व्यय और भरण पोषण प्रतिमास की दर से दिलवा सकता है और पक्षकारों की परिस्थितियों में परिवर्तन हो जाने पर आने आदेश को परिवर्तित, विखंडित और उपांतरित भी कर सकता है।

36.(B) मुता विवाह का प्रचलन केवल शिया मुसलमानों में है सुन्नी में नहीं यह अस्थायी विवाह है, लेकिन निश्चित अवधि के लिए होता है तथा मेहर भी निश्चित होता है। मुता की संताने वैध होंती। मुता द्वारा निकाह की हुई स्त्री को अपने पति से भरण–पोषण व प्रथक निवास का हक नहीं है। पत्नी को इद्दत कही अवधि काटनी पड़ती है। शिया मुसलमान पुरूष हिंदू स्त्री से मुता विवाह नहीं कर सकता जबकि गैर मुस्लिम पुरूष से कोई भी मुसलमान स्त्री मुता विवाह करने की हकदार नहीं है।

37.(C) वैध निकाह की निम्न शर्ते होती है–

(1) प्रस्ताव एवं स्वीकृति (इजाब एवं कुबुल)

(2) दोनों पक्षकारों की स्वतंत्र सहमति

(3) पक्षकारों की विवाह करने की सक्षतमा अर्थात् वयस्कता (योवनागम की आयु)

(4) इजाब एवं कुबुल का एक ही बैठक में होना

(5) दो साक्षीगण (दोनों पुरूष या एक पुरूष व एक स्त्री) की उपस्थिति

(6) प्रतिबिद्ध असतियों (रक्त, विवाह, दत्तक सम्बन्धों) का अभाव

38.(B) वह व्यक्ति मुसलमान है जो अल्लाह की एकल सत्ता में यकीन करता है एवं जो मौहम्मद साहब को अल्लाह का पैगम्बर मानता है। कोई भी व्यक्ति जो जन्म से या धर्म परिवर्तन से मुसलमान बन जाता है वह मुसलमान कहलाता है और उसकी संतान को भी मुसलमान माना जाता है। इनकी दो शाखाएं है।

(1) शिया मुसलमान (2) सुन्नी मुसलमान

39.(A) मेहर का मुख्य उद्देश्य प्रथमतः पति की विवाह करने की स्वच्छन्दता पर अंकुश लगाना है एवं द्वितीयतः पत्नी को सम्मानजनक राशी का संदाय करना है। यह विवाह का आवश्यक तत्व है। यह वो

धनराशि है जो पत्नी को पति द्वारा विवाह के प्रतिफल के रूप में की जाती है। यह कुरान की शिक्षा से लेकर पर्वत के बराबर धन जितनी हो सकती है। यह अप्रतिभूत ऋण है। इसे पत्नी अपने पति की सम्पत्ति से वसूल कर सकती है।

40.(B) उद्दत पति की मृत्यु या पति से तलाक द्वारा एक वैवाहिक सम्बन्ध की समाप्ति और दूसरे के आरंभ के बीच ऐसा अंतराल है जिसका पालन करना स्त्री के लिए अनिवार्य है। यह ऐसी अवधि है जिसका पूरा कर देना नए विवाह को वैध बना देता है। इद्दत का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है। कि स्त्री गर्भवती है या नहीं ताकि विवाह विघटन के पश्चात् पैदा हुई संतान की पैतृकता के भ्रम से मुक्ति पाई जा सकें।

41.(D) यह मृत्यु या विवाह–विच्छेद द्वारा विवाह के समाप्त हो जाने पर अथवा करार द्वारा निर्धारित किसी घटना के घटित हो जाने पर देय होता है। (हमारी बीबी बनाम जुबेदा बीबी एवं कपूरचन्द्र बनाम कादर उन्नीसा का मामला) यदि मेंहर की राशि का भुगतान नहीं किया जाए तो पत्नी संभोग से इंकार कर सकती है या मृतक पति की सम्पत्ति पर अपना कब्जा बनाए रख सकती है या मेंहर की धनराशि की वसूली ऋण के रूप में कर सकती है।

42.(A) ख्यार–उल–बुलुग, अवयस्क लडके या लड़की का जिसके विवाह की संविदा अभिभावक द्वारा की गई हो, यौवनावस्था प्राप्त कर लेने पर, विवाह की अस्वीकृति या पुष्टि करने का अधिकार है। लेकिन वयस्कता की या योवनागम की आयु प्राप्त कर लेने के पश्चात् भी यदि उसका विवाह पूर्णता अर्थात् समागम को प्राप्त होता है तो यह अधिकार समाप्त हों जाता है।

43.(D) सम्पति का ऐसा अंतरण जिसमें एक व्यक्ति द्वारा दूसरे व्यक्ति को बिना किसी एवज/विनिमय के सम्पत्ति का कब्जा तुंरत दिया जाता है इसे दानगृहिता द्वारा या उसकी और से किसी अन्य व्यक्ति द्वारा स्वीकार किया जाता है। यह शर्त सहित या बिना किसी शर्त के हो सकता है। धार्मिक लाभ के उद्देश्य से किया गया दान 'सदका' कहलाता है। दाता के विकल्प पर ग्रहणीय किसी वस्तु कि फलोपभोग को ग्रहण करने और उसका उपभोग करने की अनुमति के दान को 'अरियत' कहते है।

44.(D) मेहर वह धनराशि है जो पत्नी को पति द्वारा निकाह के प्रतिफल के रूप में दी जाती है। राशि के आधार पर मेहर दो प्रकार का होता है– (i) निश्चित मेहर (मेहर–ए–मुसम्मा) (ii) उचित मेहर (मेहा–ए–मिस्ल)

भुगतान के समय के आधार पर मेहर के प्रकार (i) तात्कालिक मेहर (मेहर–ए–मुअज्जल) (ii) आस्थागित मेहर (मेहर–ए–मुबज्जल)। जबकि हिबा का अभिप्राय दान से है।

45.(A) इस्लाम धर्म में निष्ठा प्रकट करने वाले किसी व्यक्ति द्वारा किसी सम्पत्ति का मुस्लिम विधि के अन्तर्गत धार्मिक, पवित्र या खैराती, प्रयोजनों के लिए किया गया स्थायी समर्पण वक्फ कहलाता है। वक्फ का उद्देश्य युक्तियुक्त होना चाहिए। अवैध उद्देश्यों के लिए लगाई गई सम्पत्ति वाकिफ को वापस हो जाएगी। वक्फ, किसी वर्ग द्वारा, वसीयत द्वारा, मर्जशुल–मौत के दौरान; या स्मरणतीत उपयोग द्वारा किया जा सकता है।

46.(A) किसी संविदा के लिए सर्वप्रथम एक प्रक्षकार द्वारा प्रस्ताव किया जाता है और दूसरे पक्षकार द्वारा उस प्रस्ताव की स्वीकृति दी जाती है प्रस्तावना प्रतिगृहित (स्वीकृत) हो जाने पर 'वचन' बन जाती है हर एक वचन और वचनों का समूह जो एक दूसरे के लिए प्रतिफल हो 'करार' कहलाता है। धारा 25 (भारतीय संविदा अधिनियम 1872) के तहत प्रतिफल के बिना करार शून्य है अतः न्यायालय द्वारा प्रवर्तनीय भी नहीं है।

47.(D) सामान्यतया संविदा में एक पक्षकार प्रस्ताव करता है और दूसरा पक्षकार या तो अनेक प्रस्ताव को स्वीकार करता है या अस्वीकार करता है। प्रस्ताव यदि स्वीकार कर लिया जाए तो वह स्वीकृति बन जाता है लेकिन ऐसी स्वीकृति बिना किसी शर्त के होनी चाहिए। यदि स्वीकृति देने वाला प्रस्ताव को शर्त के साथ स्वीकार करना चाहता है तो यह स्वीकृति न होकर प्रति–प्रस्ताव होता है, और प्रस्ताव कर्ता इस प्रति–प्रस्ताव को स्वीकृत कर सकता है या अस्वीकृत भी कर सकता है।

48.(C) प्रस्ताव के निमंत्रण का उद्देश्य प्रस्ताव की मांग करना होता हैं। यह सभी संविदाओं में उपस्थित हो यह आवश्यक नहीं है। इसका आशय निमंत्रण देने वाले व्यक्ति द्वारा दूसरे व्यक्ति को ऐसी सूचना देना है जिसके आधार पर वह व्यक्ति प्रस्थापना कर सकता है। निविदा सूचना, पुस्तकों की मूल्य सूची, कैटेलॉग, सेवा शुल्क, तालिका, रेल्वे की समय सारणी नीलामी की सूचना, दुकान पर रंगी मूल्य सूची इत्यादि प्रस्ताव के निमंत्रण की श्रेणी में आते हैं न कि प्रस्ताव।

49.(C) संविदा अधिनियम की धारा 70 उपबंधित करती है कि जब कोई व्यक्ति किसी अन्यव्यक्ति के लिए कोई बात या किसी चीज का परिदान आनुग्रहिक (निःशुल्क) करने का आशय न रखते हुए विधिपूर्वक करता है और ऐसा अन्य व्यक्ति उसका फायदा उठाता है ऐसा व्यक्ति अपनी सेवाओं के लिए प्रतिकर

प्राप्त करने का अधिकारी होता है लेकिन उपरोक्त उदाहरण में का 'A' आशय आनुग्रहिकतः कार्य करने का ही था अतः वह अपने कार्य के लिए 'B' से प्रतिकर की माँग नहीं कर सकता।

50.(B) संविदा अधिनियम की धारा 23 के अनुसार प्रत्येक करार, जिसका उद्देश्य या प्रतिफल विधि विरूद्ध हो, शून्य है। अतः चाहे करार विधि द्वारा निषिद्ध है, कपटपूर्ण हो, अनैतिक या लोक नीति के विरूद्ध हो जो वह शून्य होगा जबकि प्रत्येक शून्य करार अवैध नहीं होता जैसे बिना प्रतिफल के करार शून्य है लेकिन अवैध नहीं है (धारा 25) विवाह अवरोधक, व्यापार अवरोधक करार शून्य है, अवैध नही(धारा 26,27)विविध कार्यवाहियो के अवरोधक (धारा 28) अनिश्चितता के करार (धारा 29) पंधम तौर के करार (धारा 30) शून्य है परन्तु अवैध नहीं है।

51.(A) संविदा अधिनियम की धारा 15 के अनुसार, ऐसा कोई कार्य करना या करने की धमकी देना, जो भारतीय दण्ड संहिता 1860 द्वारा निषिद्ध है अथवा किसी व्यक्ति पर प्रतिकूल प्रभाव डालने के लिए अवैध रूप से किसी सम्पत्ति को रोक कर या रोकने की धमकी दे कर प्राप्त की जा सकती है तो उसे प्रपीड़न (उत्पीड़न) कहते है। व्यावहारिक भाषा में इसे जबरदस्ती या बलपूर्वक या धमकी द्वारा सम्मति प्राप्त करना कहते है।

52.(B) संविदा अधिनियम की धारा 17 के अनुसार सामान्यतया मौन रहना कपट नहीं है लेकिन कुछ परिस्थितियों में मौन रहना कपट की परिधि में आ सकता है जैसे (1) जब तथ्य या बात को प्रकट करना कर्तव्य हो, (2) जबकि तथ्यों एवं परिस्थितियों में परिवर्तन हुआ हो, (3) जब मौन कपटपूर्ण हो या अर्द्ध सत्य हो एवं (4) मौन रहना भी कपट माना जाएगा जब बोलना कर्तव्य हो या मौन स्वतः ही बोलने के तुल्य हो।

53.(A) भारतीय दण्ड संहिता 1860 की धारा 383 के अनुसार जो कोई किसी व्यक्ति को स्वयं उस व्यक्ति को या किसी अन्य व्यक्ति के कोई क्षति करने के भय में साशय डालता है और तद्द्वारा इस प्रकार भय में डाले गए व्यक्ति को सम्पत्ति या मूल्यावान प्रतिभूति या हस्ताक्षरित या मुद्रांकित कोई चीज जिसे मूल्यावान प्रतिभूति में परिवर्तित किया जा सकें, किसी व्यक्ति को परिदत्त करने के लिए बेईमानी से उत्प्रेरित करता है, वह ''उद्दापन'' करता है।

54.(D) भारतीय दण्ड संहिता 1860 की धारा 405 में उपबंधित किया गया है कि कोई सम्पति या उस पर कोई अख्तियार किसी प्रकार अपने को न्यस्त किये जाने पर उस सम्पत्ति का बेईमानी से दुर्विनियोंग

कर लेता है या उसे अपने उपयोग के लिए संपरिवर्तित कर लेता है या किसी अन्य का ऐसा किया जाना सहन करता है, वह आपराधिक न्यास भंग करता है। और दण्ड संहिता एक विधि है और संहिता की अवज्ञा करना विधि की अवज्ञा है अतः बस कन्डक्टर न्यास भंग और विधि की अवज्ञा का अपराध करता है।

55.(B) संहिता की धारा के तहत उपहति की निम्न किस्में 'धोर उपहति' कहलाती है–

(1) पुंसत्वहरण

(2) दोनों में से किसी नैग की दृष्टि या स्थायी विच्छेद

(3) दोनों में से किसी कान की श्रवणशक्ति का स्थायी विच्छेद

(4) किसी भी अंग या जोड़ का विच्छेद

(5) किसी भी अंग या जोड़ की शक्तियों का नाश

(6) सिर या चेहरे का स्थायी विद्रुपीकरण

(7) अस्थि या दाँत का भंग या विसंधान

(8) कोई उपहति जो जीवन को संकटापन्न करती है या जिसके कारण उपहत व्यक्ति बीस दिन तक तीव्र शारीरिक पीड़ा में रहता है या अपने मामूली कामकाज करने के लिए असमर्थ रहता है।

56.(D) भारतीय दंण्ड संहिता 1860 की धारा 378 के अनुसार, जब कोई व्यक्ति किसी अन्य व्यक्ति के (i) कब्जे में से (ii) उसकी सम्मति के बिना (iii) कोई जंगम सम्पति (vi) बेईमानीपूर्वक आशय से (v) लेने के लिए हटाता है, वह 'चोरी' करता है।

बेईमानी पूर्वक आशय का तात्पर्य अभियुक्त की आपराधिक मनः स्थिति से है, संहिता की धारा 24 में बेईमानी को परिभाषित किया गया है।

57.(C) भारतीय दंण्ड संहिता की धारा 107 में दर्शित है कि वह व्यक्ति किसी बात के लिए दुष्प्रेरण करता है जो उस बात के लिए किसी व्यक्ति को उकसाता है, या अन्य व्यक्तियों के साथ षडयंत्र में शामिल होता है या किसी कार्य या अवैध लोप द्वारा साशय सहायता करता है। हत्या के दुष्प्रेरण के लिए संहिता में पृथक से प्रावधान नहीं है अतः हत्या के अपराध का दण्ड ही दुष्प्रेरण के लिए दिया जा सकेगा।

58.(D) संहिता की धारा 107 के अनुसार दुष्प्रेरण निम्न प्रकार किया जस सकता है–

(1) उकसाकर

(2) षडयंत्र में भाग लेकर

(3) सहायता द्वारा

धारा 108 के अनुसार वह व्यक्ति अपराध का दुष्प्रेरण करता है जो अपराध के लिए या ऐसे कार्य के लिए या ऐसे कार्य लिए दुष्प्रेरण करता है जो अपराध होता यदि वह कार्य किसी समर्थ व्यक्ति द्वारा उसी आशय या ज्ञान से जो दुष्प्रेरक का है किया जाता।

59.(D) संहिता की धारा 54 के अनुसार जिस मामले में मृत्यु दण्डादेश पारित किया गया है उसमें अपराधी की सम्मति के बिना भी समुचित सरकारा उसे किसी अन्य दण्ड में लघुकृत कर सकेगी।

धारा 55 के अन्तर्गत, अपराधी की सम्मति के बिना समुचित सरकार आजीवन कारावास के दण्डादेश को अधिकतम 14 वर्ष के करावास में लघुकृत कर सकती है।

60.(D) संहिता की धारा 503 के अनुसार, जो कोई किसी अन्य व्यक्ति के शरीर, ख्याति या सम्पत्ति को या किसी हितवद्ध व्यक्ति के शरीर या ख्याति को कोई क्षति करने की धमकी उस अन्य व्यक्ति को इस आशय से देता है कि उसे संत्रास कारित किया जाए जिसके परिमार्जन करने के साधन स्वरूप कोई ऐसा कार्य किया जाए जिसे करने के लिए वह वैद्य रूप से आबद्ध न हो, वह आपराधिक अभित्रास करता है।

61.(B) मानहानि किसी व्यक्ति के सम्बंध में ऐसा कथन, शब्द, संकेत, चित्र मुद्रण या लेखन जिसके प्रकाशन से वह समाज के अन्य विवेकी मनुष्यों की दृष्टि में गिर जाता है या उपेक्षा का पात्र बन जाता है।

जब मानहानि किसी लेख या दस्तावेज द्वारा हो तो वह अपलेख कहलाती है। और मानहानि असत्य वचन द्वारा हो तो अपवचन कहलाती है।

62.(A) सामण्ड के अनुसार – अपकृत्य एक सिविल अपकार है, जिसका उपचार सामान्य विधि के अन्तर्गत अनिर्धारित नुकसानी के लिए कार्यवाही करना है। यह संविदा– भंग, न्यास भंग, और साम्पिक सम्बंधों से भिन्न है। अतः अपकृत्य संविदा भंग व न्यास भंग से भिन्न है।

63.(A) किसी व्यक्ति की भूमि या भवन के उपयोग या उपभोग के सम्बंध में किसी अधिकार में अवैद्य हस्तक्षेप करना उपताप कहलाता है। जैसे– पानी, दुर्गन्ध, गैस, शोरगुल, कम्पन्न, बीमारी के जीवाणु।

उपताप दो प्रकार का होता है–

(1) लोक उपताप – जन साधारण के स्वास्थ्य, सुरक्षा की क्षति

(2) व्यक्तिगत उपताप – व्यक्ति की व्यक्तिगत सम्पत्ति, स्वास्थ्य, सुरक्षा में अनुचित हस्तक्षेप।

64.(D) यह वाद राज्य के प्रतिनिधिक दायित्व का वर्णन करता है, इस वाद में राजस्थान राज्य के कर्मचारी (जीप ड्राइवर) लोकमल ने अपने नियोजन के दौरान राहगीर जगदीशलाल की मृत्यु कारित कर दी। मृतक जगदीशलाल की पत्नी विद्यावती ने राजस्थान राज्य एवं इसके अधीन कार्यरत जीप ड्राइवर लोकमल के विरूद्ध क्षतिपूर्ति प्राप्त करने हेतु वाद पेश किया। उच्चतम न्यायालय में प्रतिपादित किया कि कर्मचारी के नियोजन के दौरान उसके द्वारा किये गए असंप्रभु कार्यों के लिए राज्य उत्तरदायी है, जैसे– कि सामान्य नियोजक।

65.(D) उक्त मामला भी राज्य के प्रतिनिधिक दायित्व से सम्बंधित है, अपीलार्थी कस्तूरी लाल का माल (सोना, चांदी) चोरी का होने के शक से पुलिस कर्मचारियों ने माल को जब्त कर लिया। पुलिस थाने के मालखाने से आभूषणों को कांस्टेबल चुराकर पाकिस्तान फरार हो गया। न्यायालय ने कस्तूरीलाल को निर्दोष घोषित किया तब उसने राज्य सरकार के विरूद्ध अपने माल की वापसी और क्षतिपूर्ति का वाद पेश किया। उच्चतम न्यायालय ने निर्णित किया कि यदि राज्य के कर्मचारी द्वारा राज्य की प्रभुता सम्पन्न शक्ति का प्रयोग करते हुए कोई कार्य किया गया है तो उस अपकृत्य के लिए राज्य सरकार क्षतिपूर्ति की राशि का संदाय करने के लिए उत्तरदायी नहीं है।

66.(C) उक्त वाद में राइलैण्ड ने अपनी भूमि पर जलाशय का निर्माण करवाया, हालांकि सुरंगों में मिट्टी भर दी गई थी तो भी मानी पड़ौसी फ्लैचर की खानों में चला गया। हाउस ऑफ लॉर्डस ने प्रतिपादित किया कि यदि कोई व्यक्ति अपनी भूमि पर किसी खतरनाक वस्तु का संचय करता है, वह वस्तु वहां से निकलकर पड़ौसी को नुकसान पहुंचाती है तो चाहे उसने सावधानी बरती हो तो भी वह दायी होगा ऐसा दायित्व कठोर दायित्व कहलाता है।

67.(A) क्षति की दूरस्थता अर्थात् क्षति की दुरस्थ संभावना जिसकी प्रतिवादी द्वारा पूर्व कल्पना नहीं की जा सकती हो तो ऐसी क्षति के लिए प्रतिवादी को दायी नहीं ठहराया जा सकता इसका परीक्षण उपरोक्त दो बातों से होता है।

(1) यदि उस क्षति की युक्तियुक्त रूप से पूर्वकल्पना की जा सकती है, तो प्रतिवादी उसके कार्य के लिए दायी होगी।

(2) यदि कोई क्षति प्रतिवादी के कार्य का प्रत्यक्ष परिणाम हो तो चाहे उसकी पूर्वकल्पना नहीं की जा सकती हो तो भी प्रतिवादी उस क्षति की पूर्ति के लिए दायी होगा।

68.(B) अपकृत्य हेतु यह एक सामान्य प्रतिरक्षा है, यदि कोई कार्य किसी गंभीर संकट के निवारण के लिए अत्यावश्यक हो और उस संकट के निवारण हेतु किए गए उस कार्य से कोई अपेक्षाकृत कम संकट संभावित है तो भयंकर क्षति के निवारण के लिए उस अपेक्षाकृत कम गंभीर कार्य को किया जाने पर यदि कोई क्षति हो जाती है तो वह अपकृत्य के लिए दायी नहीं होता।

69.(D) अनुच्छेद 226 के तहत उच्च न्यायालय व अनुच्छेद 32 के तहत उच्चतम न्यायालय लोक हित वाद को ग्रहण कर सकता है। लोक हित वाद में लोकस स्टेण्डाई अर्थात् सुनवाई के पारम्परिक नियमों को शिथिल कर दिया गया है, न्यायालय केवल एक पत्र के माध्यम से भी लोकहित वाद को सुन सकता है और रिट याचिका जारी कर सकता है।

70.(D) नैसर्शिक न्याय के नियम संविधान की आधारभूत संरचना के अंग है, यह नियम संविधान के मूलभूत है, हर प्रकार की कार्यवाही में इसका पालन किया जाना चाहिए, यदि इनका पालन नहीं किया जाता तो न्यायलय कार्यवाही को असंवैधानिक घोषित करेगा। ये नियम है–

1. सुनवाई के अधिकार का नियम – दोनों पक्षकारों को सुनवाई का उचित अवसर दिया जाना चाहिए।

2. मनमानेपन के विरूद्व नियम या पक्षपात के विरूद्व नियम– निष्पक्षता अच्छे प्रशासन की विशेषता है, क्योंकि यह सुस्थापित सिद्धान्त है कि '' न्याय किया ही नहीं जाना चाहिए वरन यह दिखाई भी देना चाहिए कि न्याय किया गया''। अतः न्यायिक अधिकारी को निष्पक्ष होना चाहिए।

71.(D) साधारणतया अच्छी प्रणाली का प्रशासन जनता को उत्तरदायी और उत्तरकारी होता है। इस दृष्टि से प्रशासनिक दोषों के विरूद्ध जनता की शिकायतों को दूर करने के लिए अनेक देशों में लोकपाल की स्थापना की गई है। भारत में भी कतिपय राज्यों में लोकायुक्त की नियुक्ति की गई है। संघ के लिए ओम्बड्समैन संस्था को लोकपाल के रूप में स्थापित करने के प्रयास चल रहे है।

72.(A) प्रशासनिक विधि का सम्बन्ध सरकार के प्रशासनिक प्रवर्तन और नियंत्रण से है। यह प्रशासनिक अभिकरणों की शक्तियों का विवेचन करती है। उनके प्रयोग के लिए प्रक्रियाओं को अधिकथित करती

है और प्रशासनिक अभिकरणों के कार्यों से व्यथित व्यक्तियों को विधिक उपचार प्रदान करती हैं। यह लोक विधि की शाखा है।

73.(A) जिस भी तत्व को संविधान की आधारित संरचना में शामिल कर लिया जाए तो वह संसद की संविधायी शक्ति से परे हो जाता है और संविधान के संशोधन से भी उसको प्रभावित नहीं किया जा सकता है S.C. द्वारा केशवानन्द भारती बनाम केरल राज्य में निर्णित किया कि संसद की संविधान करने की शक्ति अधिक है तो भी संसद संशोधन द्वारा संविधान के आधारभूत ढाँचे को नष्ट नही कर सकती ।

74.(A) उक्त संशोधन अधिनियम द्वारा उद्योग की परिभाषा में महत्पूर्ण परिवर्तन किया गया ताकि वर्तमान युग के आधार पर उसे अधिक उपयोगी बनाया जा सके। इस संशोधन में औद्योगिक विवादों के अन्वेषण व परिनिर्धारण के लिए उपबन्ध किये गए है।

75.(A) एक्सेलपीयर बनाम भारत संघ A.J.R 1979 S.C. 25 के मामले में धारा 25–ण को उच्चतम न्यायालय ने अवैध घोषित कर दिया तथा उपबन्धित किया कि किसी उपक्रम के नियोजक को उसके द्वारा उपक्रम में लगाई गई सम्पत्ति त्याग करने या व्यापार बदं करने को नहीं कहा जा सकता । न्यायालय ने धारा 25–ण को संविधान के अनुच्छेद 19(1) (छ) के अतिरिक्त धनकारी होने के कारण असंवैधानिक भी घोषित कर दिया।